

इनसाइड



गृहणियों में बढ़ रहा है मेंटल स्ट्रेस, एक्सपर्ट्स ने बताया खुश रहने का तरीका

बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है। ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं।

पूरे घर को संभालने वाली (गृहणी/हाउसवाइफ) हमारी मां या पत्नी घर के हर एक सदस्य की जरूरत का ख्याल रखती हैं। उनका पूरा दिन घर की चार दीवारी में ही शुरू होता है और उसी में खत्म हो जाता है। सुबह से रात तक उनकी यही कोशिश रहती है कि किसी भी सदस्य को घर में कोई तकलीफ न हो। ये सब वो किसके लिए करती हैं? अपने परिवार के लिए, परिवार की खुशियों के लिए, फिर जब कभी वो जरा गुस्सा हो जाती हैं, तो हम उन्हें गलत समझने लगते हैं। लेकिन क्या कभी सोचा है कि वो भी कितनी तरह के तनाव से जुड़ी रही हैं? उनकी मेंटल हेल्थ के बारे में कभी बात की है? ओनली माई हेल्थ की न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है। ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं। इस रिपोर्ट में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (Clinical Psychologist) डॉ. प्रज्ञा मलिका (Dr. Pragya Malika) का कहना है कि हाउसवाइफ में तनाव कई वजहों से होता है। ऐसी स्थिति में वे अकेले रहने लग जाती हैं। परिवार में जब कॉन्फ्लिक्ट्स (झगड़े और विवाद) बढ़ते हैं तो वे एडजस्टमेंट की ओर जाते हैं। जब ये मुद्दे हल नहीं हो पाते तो सुसाइड, तलाक या अन्य मेंटल डिऑर्डर (Mental Disorder) में बदल जाते हैं। इसे ही दुष्चक्र या विशियस साइकल (Vicious Cycle) कहते हैं। डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ इन तरीकों को अपनाकर खुश रह सकती हैं।

अपनी हॉबीज को करें याद

डॉ प्रज्ञा का कहना है कि अक्सर महिलाएं घर के काम में उलझकर अपनी हॉबीज (शौक) को भूल जाती हैं। जब ये निराशा या कुंठा बढ़ने लग जाए, तो अपने हुनर को याद करें। वो काम जिसे आप पूरे मजे के साथ करते थे, वो दोबारा करें। खुद सोचें कि आपको क्या करने में अच्छा लगता है। ऐसा करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

परेशानी का कारण ढूंढें

डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ को ये देखना पड़ेगा कि उन्हें परेशानी किस बात से हो रही है। जब परेशानी की वजह मालूम हो जाए, तब उस पर काम करें। उस परेशानी को मैनेज करें। दरअसल, महिलाओं की टेंशन की एक वजह ये भी है कि महिला और पुरुष का दिमाग थोड़ा अलग तरह से काम करता है। जैसे महिलाएं इमोशनल होकर सोचती हैं और पुरुष लॉजिस्टिक तरीके से सोचते हैं।

नए दोस्त बनाएं

हाउसवाइफ अपने स्ट्रेस को कम करने के लिए नए दोस्त बना सकती हैं। अपने घर के आसपास, रिश्तेदारों में या स्कूल-कॉलेज के दोस्तों के संपर्क में रहें और उनसे बात करते रहना भी कई बार इस स्ट्रेस से निकलने में मदद करता है।

अपने लिए टाइम निकालें

एक हाउसवाइफ होने के नाते आप क्या चाहती हैं? हाउसवाइफ होने के नाते आपको कुछ सपने होते हैं। तो यहां उन्हें सोचने की जरूरत है कि आप क्या चाहती हैं। खुद को खुश रखने के लिए अपना मो टाइम निकालें।

कुछ चीजों को हालात पर छोड़ दें

डॉ. प्रज्ञा का कहना है कि जिस सिचुएशन में आप कुछ कर नहीं सकतीं। जो हालात आपके बस से बाहर हैं, तो उन पर न सोचें।



काफी कोशिशों के बाद भी नहीं बढ़ रहा है वजन, महिलाएं फॉलो करें ये टिप्स, तेजी से होगा वेट गेन

कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजें खाकर महिलाएं आसानी से वेट गेन कर सकती हैं

दुबली-पतली महिलाएं आमतौर पर वेट गेन करने के लिए अनगिनत नुस्खे आजमाती हैं, मगर हेल्दी डाइट फॉलो करने के बावजूद भी कई बार वजन नहीं बढ़ पाता है। ऐसे में कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स का सेवन महिलाओं के लिए बेस्ट हो सकता है।

स्लिम एंड ट्रिम लुक कैरी करने के लिए महिलाएं कई तरीके अपनाती हैं। इसके बावजूद कुछ महिलाएं मोटापे का शिकार होने लगती हैं। तो वहीं कुछ महिलाएं ऐसी भी होती हैं, जो अपने दुबलेपन को लेकर परेशान रहती हैं। अगर आपका वजन काफी कम है तो कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स लेना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है। इन चीजों को डाइट में शामिल करके आप आसानी से वेट गेन (Weight gain tips) कर सकती हैं। पतली और दुबली महिलाएं अक्सर अपने फिगर को लेकर टेंशन में रहती हैं। वहीं पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने के बाद भी कई बार महिलाओं का वजन बढ़ने का नाम नहीं लेता है। ऐसे में कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स का सेवन आपको वेट गेन करने में मदद कर सकता है। तो आइए ओन्लीमाईहेल्थ डॉट कॉम के अनुसार, जानते हैं वजन बढ़ाने के कुछ आसान टिप्स, जिसे फॉलो करके महिलाएं खुद को फिट और हेल्दी रख सकती हैं।

प्रोटीन का सेवन करें

नेचुरल तरीके से वजन बढ़ाने के लिए प्रोटीन को बॉडी का बेस्ट सप्लीमेंट माना जाता है। खासकर प्लांट बेस्ड प्रोटीन में शुगर और फैट भरपूर मात्रा में मौजूद रहता है, जिससे मसल्स बिल्डिंग में काफी मदद मिलती है और शरीर का मेटाबॉलिज्म रेट बढ़ने लगता है। ऐसे में आप



पनीर, फुल क्रीम मिल्क, दही और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल कर सकती हैं। साथ ही चिकन, अंडा, लाल मीट, मिल्क पाउडर और प्रोटीन पाउडर जैसी चीजों से आप आसानी से वेट गेन कर सकती हैं।

फैट रिच डाइट लें

वजन बढ़ाने के लिए महिलाएं फैट से भरपूर चीजों को

डाइट में एड कर सकती हैं। ऐसे में घी, मक्खन, नट्स और गुड फैट से भरपूर चीजों का सेवन करना महिलाओं के लिए बेस्ट होता है। इससे शरीर में कैलोरी की मात्रा बढ़ती है और महिलाओं के वजन में भी इजाफा देखने को मिलने लगता है।

कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजें खाएं

कार्बोहाइड्रेट से भरपूर चीजें बॉडी में कैलोरी इन टेक को बढ़ावा देती हैं। जिससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है। ऐसे में वेट गेन करने के लिए महिलाएं आलू, शकरकंद, आर्टिस, ग्रेन और ब्राउन राइस का सेवन कर

सकती हैं। वहीं घी और बटर से युक्त चीजें खाने से भी वेट गेन फास्ट होने लगता है।

वजन ना बढ़ने के कारण

महिलाओं में वजन ना बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। दरअसल कई बार महिलाओं के शरीर में न्यूट्रिएंट्स पूरी तरह से एब्जॉर्ब नहीं हो पाते हैं, जिसके चलते हेल्दी डाइट लेने के बावजूद महिलाओं के शरीर में पोषक तत्वों की कमी देखने को मिलती है और उनका वजन कम रहता है। इसके अलावा इंप्लेमेंटरी डिजीज, ऑटोइम्यून डिजीज और हाइपोथायरायडिज्म के चलते भी महिलाओं का वजन नहीं बढ़ता है।



अपनी बेटियों को करें प्रोत्साहित आत्मविश्वास भरना बेहद आवश्यक

कहते हैं कि बेटियां अपने माता-पिता के लिए बेहद खास होती हैं। जितनी वो खास होती हैं उतनी ही खास उनकी देखभाल भी होती है। जैसे-जैसे बेटियां बड़ी होती जाती हैं, वैसे-वैसे उनके प्रति माता-पिता की जिम्मेदारी भी बढ़ती जाती है। बात अगर पुराने जमाने की करें तो पहले घर-परिवार में बेटियों के पैदा होने पर अनादर माना जाता था। लेकिन आज के समय में भी बेटियां अपने आत्मविश्वास से ऊंचे से ऊंचा आसमान छूने की प्रतिभा रखती हैं। आज के समय में उनका दर्जा लड़कों से कम नहीं है। ये सब कुछ उनके माता-पिता की परवरिश का नतीजा होता है, जिससे उनका सिर गर्व से ऊपर उठता है। बहुत से माता-पिता होते हैं जो अपने बच्चों का साथ बेहद जरूरी होता है। आप उसे प्रोत्साहित करें। ताकि उसके अंदर का आत्मविश्वास कम ना हो।

भरी रहे। तो चलिए फिर शुरू करते हैं।

- 1. बेटी को करें प्रोत्साहित**—जब बेटी बड़ी होती है, तो उसकी जरूरतें भी अलग होती चली जाती हैं। आप उसे जमीन से जुड़े रहना सिखाएं। अगर वो आगे बढ़ाने के लिए अपने भविष्य को लेकर कुछ चुनाव करती है तो उसे हताश ना करें। उसका साथ दें। एक बच्चे के लिए उसके माता-पिता का साथ बेहद जरूरी होता है। आप उसे प्रोत्साहित करें। ताकि उसके अंदर का आत्मविश्वास कम ना हो।
- 2. बेटी की करें तारीफ**—आप अपनी बेटी को बताएं की वो दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की है। उसके अंदर कोई भी कमी नहीं है। उसके अंदर ऐसी बात है जो उसे बाकियों से जुदा बनाती है। इससे बिटिया का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा।
- 3. सीखने का दें अवसर**—अगर बेटी को संगीत या किसी भी तरह की एक्टिविटी कि कैसे आप उसकी सही तरीके से पकवर्ष करे जिससे वो आत्मविश्वास से

देंगे तो उसका मनोबल दृढ़ता चला जाएगा। उसे सीखने का अवसर जरूर दें। उसे अपनी असल प्रतिभा धीरे-धीरे खुद समझ आएगी और वो आगे बढ़ेगी।

- 4. बेटी को सिखाएं समाजिकता**—बेटी को समाज और उससे जुड़ी बातों के बारे में सिखाएं। उसे सिखाएं कि अगर उससे कोई दोस्ती नहीं करता तो उसका क्या कारण हो सकता है। समाज के प्रति उसके अंदर नकारात्मकता ना भरे। वरना एक समय के बाद वो समाज को नकारात्मक नजरिये से देखने लगेगी। उसे सभी पहलुओं के बारे में जरूर सिखाएं।

- 5. बढाएं बेटी की क्षमता**—अगर आपको बेटी अपना होमवर्क कर रही है तो थूँ ही उसकी मदद ना करें। वो जब तक आपसे मदद नहीं मांगती तब तक उसकी मदद मत करें। उसे उसकी क्षमता के अनुसार काम करने दें। उसे अपने दम में हमेशा आगे बढ़ने के लिए ही प्रोत्साहित करें।

- 6. ना थोपें अपनी मर्जी**—आज के



समय में बेटियां स्पोर्ट्स को ज्यादा पसंद कर रही हैं, और उसी में अपना भविष्य भी तय कर रही हैं। अगर वो एक जिम्नैस्टिक बनना चाहती है या फुटबॉल खेलना चाहती है तो उसे आगे बढ़ने दें, ना की अपना फैसला या अपनी चाह उसपर थोपें। आप ये जरूर पता लगा सकते हैं, कि वो किस खेल को खेलने के लिए ज्यादा सक्षम है। आप खुद उसके लिए कोई खेल तय ना करें।

- 7. मत बनाइए कमजोर**—आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना

बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

- 8. सेक्सिज्म के लिए करें तैयार**—बहुत लोगों की सोच है कि बेटियां वो काम नहीं कर सकती जो बेटे कर सकते हैं। अगर आप अपनी बेटी को वो टीवी शो या फ्रिल्में देखते हुए नोटिस करते हैं जो पूरी गल्स पर आधारित होती है तो उसे समझिये और उसे सेक्सिज्म के लिए तैयार करें।

- 9. बेटी को दिखाएं रोल मॉडल**—अक्सर ऐसा होता है जब भी आप कोई न्यूज

आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

देखते या पढ़ते हैं तो उसमें आपको कई महिलाएं सीनेटरी, खिलाड़ी, चिकित्सक या एथलीट दिखेंगी। ये अच्छा तरीका होता है अपनी बेटी को इन महिलाओं के बारे में दिखाना और समझाना। आप इन्में से कोई भी अपनी बेटी के लिए रोल मॉडल चुनने में उसकी मदद कर सकते हैं।

तो ये कुछ ऐसी खास टिप्स हैं, जिनकी मदद से आप अपनी बिटिया को अच्छी परवरिश देने के साथ उसमें आत्मविश्वास भर सकते हैं। अगर आपकी भी बेटी है तो आप हमारी बताई हुई टिप्स को जरूर आजमाएं। आपको इससे बेहतर परिणाम मिलेगा।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में हो जाती है इन विटामिंस की कमी

पुरुषों की तुलना में अब सर ये देखा जाता है कि महिलाओं में आयरन, फॉलिक एसिड, विटामिन डी, विटामिन बी12 जैसे जरूरी तत्वों की कमी हो जाती है। अगर महिलाएं खुद की सेहत का खयाल रखें तो प्रेगनेंसी या मेनोपॉज के दौरान समस्याओं से बच सकती हैं। आइए जानते हैं कि किन विटामिन की कमी महिलाओं में अब सर देखने को मिलती है।

अब सर महिलाओं की ये शिकायत रहती है कि रात भर सोने के बावजूद थकान महसूस करती है या उठते ही हर वक्त कमजोरी का अनुभव होता है। इन समस्याओं को वे लंबे समय तक नजर अंदाज करती जाती हैं जो आगे चलकर बड़ी बीमारियों की वजह बन जाता है। अगर महिलाएं अपनी सेहत का ध्यान रखें और शरीर में विटामिन स और मिनरल्स की कमी की आपूर्ति के लिए हेल्दी डाइट लें तो जीवन भर हेल्दी जीवन जी सकती हैं।

वुमनहेल्थ के मुताबिक, दरअसल, अच्छे स्वास्थ्य के लिए शरीर को विटामिन और खनिजों की आवश्यकता पड़ती है। हर विटामिन और मिनरल्स के अपने अलग फायदे हैं जो शरीर के अलग अलग कामों को पूरा करने में मदद करते हैं। लेकिन कई वजहों से महिलाओं में पुरुषों की तुलना में कुछ खास तरह के विटामिन और खनिजों की कमी पाई जाती है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को किन विटामिन की कमी हो जाती है और वे किस तरह इनमें पूरा कर सकती हैं।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इन विटामिन स की हो जाती है कमी

फॉलिक एसिड या विटामिन बी9

फॉलिक एसिड शरीर में हलड सेल्स बनाने और डीएनए क्रिएट करने का काम करता है। यह भ्रूण के बेहतर विकास के लिए बहुत जरूरी है। इसकी कमी से प्रीमेच्योर बर्थ या जन्म के समय कम वजन होने का खतरा हो सकता है। ऐसे में प्रेगनेंट महिलाओं को रोजाना 400 से 800 एमसीजी फॉलिक एसिड डायटरी सेप्लीमेंट के रूप में दिया जाता है। इसकी आपूर्ति के लिए आप हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, अनाज, नट्स, चिकन आदि का नियमित सेवन करें।

विटामिन बी12

विटामिन बी12 हलड सेल्स और ब्लेन्ड यूरेन बनाने का काम करता है। यह भी प्रेगनेंसी में जरूरी होता है। इसके अलावा जो महिलाएं शाकाहारी हैं और जिनकी उम्र 50 से अधिक है उन्में विटामिन बी12 की कमी हो सकती है। इसके लिए आप मिल्क, अंडा, चीज, चिकन, लीवर आदि डाइट में शामिल कर सकती हैं।

विटामिन डी

शरीर में कैल्शियम के अवशोषण के लिए विटामिन डी जरूरी होता है। यह इन्फ्यूनिटी को भी बढ़ाता है। जबकि सूरज की रौशनी से स्किन का डायरेक्ट संपर्क ना होने की वजह से महिलाओं में विटामिन डी की काफी कमी पाई जाती है। इसके लिए आप सेप्लीमेंट का इस्तेमाल कर सकती हैं।

कैल्शियम

लड़कियों को बोइंग एज में जहां 1300 एमजी कैल्शियम की जरूरत होती है, वहीं मेनोपॉज के बाद 1200 एमजी कैल्शियम की जरूरत होती है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाओं में इसकी कमी पूरी नहीं हो पाती। इसके लिए आप कैल्शियम रिच फूड का सेवन करें और सेप्लीमेंट का सेवन करें।

आयरन

महिलाओं में आयरन की कमी की समस्या भी काफी आम है, जिस वजह से उनके शरीर में हलड सेल्स की कमी हो जाती है और ऑक्सीजन सप्लाई सही तरीके से ना हो पाने के कारण कमजोरी, चक्कर आना जैसी समस्या होने लगती है। ऐसे में आप आयरन रिच चीजों को डाइट में शामिल करें।



भरी कचहरी में लड़के को उठा ले गए... गिरफ्तार होने पर बताई वजह, पूरे नहीं हुए युवती के अरमान



गाजियाबाद तहसील से बृहस्पतिवार को राजस्थान के सीकर निवासी युवक को चार-पांच युवकों ने कार में डालकर अगवा कर लिया। युवक जिस युवती के साथ कोर्ट मैरिज करने तहसील आया था उसने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने युवकों की कार का पीछा राजस्थान तक किया। देर रात झुंझनू से पांच आरोपित गिरफ्तार कर युवक को सकुशल बरामद कर लिया गया।

गाजियाबाद। गाजियाबाद तहसील से बृहस्पतिवार को राजस्थान के सीकर निवासी युवक को चार-पांच युवकों ने कार में डालकर अगवा कर लिया। युवक जिस युवती के साथ कोर्ट मैरिज करने तहसील आया था उसने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने युवकों की कार का पीछा राजस्थान तक किया। देर रात झुंझनू से पांच आरोपित गिरफ्तार कर युवक को सकुशल बरामद कर लिया गया। राजस्थान के सीकर से बुधवार को प्रेमी युगल भागकर गाजियाबाद आ गया था। बृहस्पतिवार को दोनों कोर्ट मैरिज के लिए तहसील आए हुए थे।

लड़की के परिवार को

जानकारी मिली तो...

लड़की के परिवार को इसकी जानकारी मिली तो वह भी तलाशते हुए तहसील पहुंच गए और युवक को कार में अगवा कर ले गए। युवती ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मोबाइल नंबर और कार नंबर के आधार पर युवकों की कार का पीछा करना शुरू कर दिया। राजस्थान के झुंझनू जनपद के बग्गड़ थानाक्षेत्र में पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपितों की कार को रोक पकड़ लिया।

प्रेमी की हत्या करना चाहता था प्रेमिका का भाई पुलिस का कहना है कि आरोपितों में लड़की का भाई शुभम, राजेंद्र, आकाश, दलीप और विजय शामिल हैं। सभी आरोपित राजस्थान के सीकर जनपद के रहने वाले हैं। पीड़ित युवक महेंद्र को सकुशल बरामद कर आरोपितों की कार भी बरामद की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपित युवक की हत्या करने के उद्देश्य से अगवा कर ले गए थे। पकड़े गए आरोपित शुभम ने पुलिस को पृष्ठताछ में बताया कि महेंद्र उनके ही इलाके में रहता है।

परिवहन विशेष न्यूज

एक बार फिर से शुक्रवार को भी वैसी ही स्थिति रही। अब आद्रता की मात्रा आधे से भी कम हो जाएगी। गाजियाबाद में अगले दो दिन पाला पड़ने से तापमान में गिरावट जारी रहेगी। अभी सर्दी से राहत के आसार नहीं हैं। गुरुग्राम को लेकर मौसम विभाग ने बताया कि अगले दो दिनों में अलसुबह कोहरा छाने का अनुमान है।

नोएडा। हवा में आद्रता की मात्रा कम होने से इस सप्ताह मौसम सामान्य रहेगा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों में बढ़ोतरी होगी। बृहस्पतिवार को आद्रता अधिक होने से उत्तर से पश्चिम की तरफ चल रही हवाओं में नमी होने से गलन रही। **दिन में छाए रहे आंशिक बादल** मौसम विभाग ने बताया था कि शुक्रवार को भी गलन बनी रहेगी, लेकिन इसके बाद कमी आएगी। आद्रता की मात्रा आधे से भी कम हो जाएगी। शुक्रवार को भी लगभग यही स्थिति रही। शुक्रवार को नोएडा का न्यूनतम तापमान आठ डिग्री के आसपास रहा। वहीं, दिन में आंशिक बादल छाए रहे।

अनुमान के मुताबिक, शनिवार से सुबह-शाम नमी कम होने के साथ दिन में अच्छी धूप खिलेगी। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। 31 जनवरी तक न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। उत्तर से पश्चिम की तरफ हवाएं चलने से सर्द मौसम जारी रहेगा। लोगों को ठंड से खूब जूझना पड़ रहा है। कई दिनों तक स्कूलों की भी छुट्टियां रही।

गाजियाबाद में कैसा रहेगा मौसम ? वहीं, गाजियाबाद में मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिन पाला पड़ने से

एनसीआर विशेष

सुबह घना कोहरा... टिडुरन भरी सर्दी, इस दिन से मिलेगी गलन से राहत; सामान्य होगा मौसम

तापमान में गिरावट जारी रहेगी। अभी सर्दी से राहत के आसार नहीं हैं। बीते कई दिन से लगातार रात में पाला पड़ने से दिन में भी टिडुरन काफी ज्यादा बढ़ गई है। बृहस्पतिवार को दोपहर में कुछ देर धूप रहने से भी सर्दी से राहत नहीं मिल सकी। न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गुरुग्राम को लेकर क्या है अपडेट गुरुग्राम को लेकर मौसम विभाग ने बताया कि अगले दो दिनों में अलसुबह कोहरा छाने का अनुमान है। साइबर सिटी में बृहस्पतिवार को तो सुबह घना कोहरा छाया रहा। सुबह सात बजे घने कोहरे में सड़कों पर दृश्यता 50 मीटर से ज्यादा नहीं रही और वाहनों की गति पर ब्रेक लग गए। दिल्ली-जयपुर हाईवे सहित शहर की अन्य सड़कों पर वाहन रेंगते रहे।



निगम कार्यालय पर महापौर सुनीता दयाल ने किया ध्वजारोहण, दिलाई ईमानदारी की शपथ

गणतंत्र दिवस के अवसर पर शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय में सुबह साढ़े आठ बजे महापौर सुनीता दयाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान नगर निगम कार्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। महापौर ने नगर निगम कर्मचारियों को ईमानदारीपूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करने की शपथ नगर निगम कर्मचारियों को दिलाई। इसके बाद नवयुग मार्केट में रैली भी निकली।

गाजियाबाद। गणतंत्र दिवस के अवसर पर शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय में सुबह साढ़े आठ बजे महापौर सुनीता दयाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान नगर निगम कार्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। महापौर ने नगर निगम कर्मचारियों को ईमानदारीपूर्वक अपने कर्तव्य का पालन करने की शपथ नगर निगम कर्मचारियों को दिलाई। इसके बाद नवयुग मार्केट में रैली भी निकाली जाएगी, जिसमें प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की अपील भी की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में शहीद स्थल पर नगर आयुक्त और महापौर द्वारा बलिदानियों के स्मरण को सम्मानित किया जाएगा।

नोएडा के इन इलाकों में 12 घंटे नहीं आएगी बिजली

परिवहन विशेष न्यूज गर्मियों में शहर में निर्बाध आपूर्ति के लिए विद्युत निगम एक फरवरी से अनुरक्षण माह शुरू करेगा। 33 केवी उपकेंद्र के अंतर्गत सभी बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त किया जाएगा। मुख्य अभियंता विद्युत निगम राजीव मोहन ने बताया कि गर्मियों से पहले विद्युत निगम की तरफ से इस बार बड़े स्तर पर काम हुआ है। इस बीच रविवार को नोएडा के कई इलाकों में पावर सप्लाई बंद रहेगी।

नोएडा। सेक्टर-9 के 33 केवी उपकेंद्र पर मरम्मत कार्य के चलते रविवार को 12 घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। अधिशासी अभियंता शशांक शेखर ने बताया कि उपकेंद्र पर पुराने और जर्जर वीसीबी को बदला जाना है। इसमें करीब 12 घंटे का समय लगेगा। **सुबह से शाम तक आपूर्ति प्रभावित** इसके चलते सेक्टर-9, सेक्टर-4 व हरौला में सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक आपूर्ति प्रभावित रहेगी। उपभोक्ता अपने जरूरी कार्यों को करते समय इसका ध्यान रखें। किसी भी तरह की दिक्कत होने पर 1912 से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। **बुनियादी सुविधाओं को किया जाएगा दुरुस्त** बता दें कि गर्मियों में शहर में निर्बाध आपूर्ति के लिए विद्युत निगम एक फरवरी से अनुरक्षण माह शुरू करेगा। 33 केवी उपकेंद्र के अंतर्गत सभी बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त किया जाएगा। मुख्य अभियंता विद्युत निगम



राजीव मोहन ने बताया कि गर्मियों से पहले विद्युत निगम की तरफ से इस बार बड़े स्तर पर काम हुआ है।

फरवरी में लगेगा अभियान बुनियादी ढांचा मजबूत होने से लोड का वितरण बेहतर होगा। साथ ही 33 केवी स्तर पर सभी कामों को दुरुस्त कराया जाएगा। इसके लिए पूरे फरवरी माह में अभियान चलाया जाएगा। 33 केवी उपकेंद्र से लगे 11

केवी फीडर, ट्रांसफार्मर, खंभे आदि का निरीक्षण किया जाएगा। जरूरत के अनुसार मरम्मत और बदलाव किया जाएगा। गर्मियों में जिले में बिजली का लोड बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इसके चलते नो ट्रिपिंग जोन में शामिल होने के बाद भी लगातार बिजली कटौती का सामना करना पड़ता है।

सामने आई सनसनीखेज वारदात, सड़क किनारे रखा बोरा देख बुलाई पुलिस और फिर...



शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के गरिमा गार्डन में शुक्रवार सुबह ऑटो चालक की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की खबर से सनसनी मच गई। शव सड़क किनारे बोरे से ढंका हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस की तीन टीम जांच में जुटी हैं और सीसीटीवी

फुटेज खंगाल रही हैं।

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के गरिमा गार्डन में शुक्रवार सुबह ऑटो चालक की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की खबर से सनसनी मच गई। शव सड़क किनारे बोरे से ढंका हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। तीन टीम जांच में जुटी हैं। टीला मोड़ थाना पुलिस को शुक्रवार सुबह गरिमा गार्डन में मस्जिद रोड पर एक युवक का धारदार हथियार से गला रेटा हुआ बोरे से ढंका शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची।

सिर और माथे पर भी हैं चोट के निशान मृतक की पहचान दयाराम मार्केट में किराए पर रहने वाले ऑटो चालक सैफुल्ला के रूप में हुई। सिर और माथे पर चोट थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। स्वजन को मामले की सूचना दी गई। पुलिस उपयुक्त ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तीन टीम में मामले की जांच युवक का धारदार हथियार से गला रेटा हुआ बोरे से ढंका शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची।

बिराजे रामलला निज धाम, जगत में छाया है उल्लास

मृत्युंजय दीक्षित प्रभु श्री राम के अभिवादन के लिए संपूर्ण हिंदू सनातन समाज एकाकार हो गया और दीपोत्सव मनाने के लिए जात-पात, ऊंच-नीच की सभी दीवारें ढह गयीं। जो लोग पहले फोन पर राम-राम कहने पर हिचकते थे अब फोन पर राम-राम, जय श्री रामलला बोलकर अभिवादन कर रहे हैं।

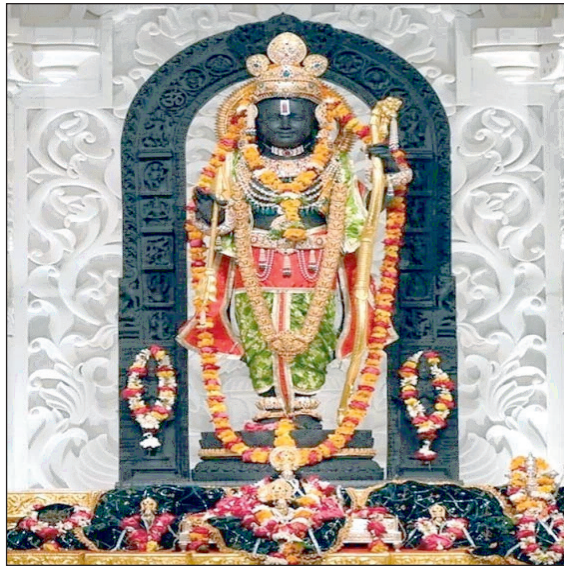
पांच शताब्दियों के अथक संघर्ष व प्रतीक्षा के पश्चात प्रभु श्री रामलला अपने नव्य, भव्य एवं दिव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुए। प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही संपूर्ण विश्व में उल्लास व उत्सव का सहज वातावरण बन गया, जो जिस स्थान पर था उसने उसी स्थान को अयोध्या बना लिया। रामलला के निज धाम में बिराजते ही भारत के कोने कोने में ऐसा स्वतः स्फूर्त, भक्तिमय उत्सव आरम्भ हुआ जो कल्पनातीत है— सारे पर्व एकरस होकर रामचर्व हो गए— कहीं होली खेली जा रही थी, कहीं भजन मंडली बैठी थी, कोई प्रभु की रथयात्रा निकाल रहा था, कोई न्यौछावर लुट्टा रहा था और सब दीवाली मना रहे थे। आह्लादकारी पल, नयन प्रेमाश्रुओं से भरे, जिह्वा पर जय श्री राम। चारों दिशाएं राम नाम के गुंजन के हर्षित थीं। आयु-लिंग, वर्ण, जाति सभी भेद मिट गए थे— जो थे बस सनातनी थे, राम भक्त थे। प्रसन्नता में लोग मानों सुध बुध खो बैठे हों। अपरिचितों को अपने हाथ से लड़ू खिला रहे हैं। रामधुन पर नाच रहे हैं। यह भारतीय जनमानस में प्रभु राम का स्थान है, प्रभाव



है उनके प्रति स्नेह है, समर्पण है। राम ही आधार हैं। जन्मभूमि पर बने भव्य दिव्य मंदिर में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही करोड़ों आस्थावान हिन्दुओं का श्री राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ संपन्न हुआ है। सनातन समाज की अभिलाषा पूरी हुई है। अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के विराजमान होने से हिंदू सनातन समाज को एक नई ऊर्जा मिली है जो उसको अनंतकाल तक चैतन्य रखेगी। सनातन धर्म तथा संस्कृति की पुनर्स्थापना के इस अद्वितीय उत्सव ने राष्ट्रीय चेतना को एक नई दृष्टि दी है। प्रभु श्री राम के अभिवादन के लिए संपूर्ण हिंदू सनातन समाज एकाकार हो गया और दीपोत्सव मनाने के लिए जात-पात, ऊंच-नीच की सभी दीवारें ढह गयीं। जो लोग पहले फोन पर राम-राम कहने पर हिचकते थे अब फोन पर राम-राम, जय श्री रामलला बोलकर अभिवादन कर रहे हैं। निश्चय ही अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के विराजमान हो जाने और समाज के इस उल्लास को देखने के पश्चात हमारे पूर्वज भी अपने दिव्य धाम में आनंद मना रहे होंगे। 22 जनवरी 2024 का दिन मानों कलयुग में त्रेता युग की झांकी दिखा रहा था। एक ऐसा पावन दिन जो शताब्दियों से प्रतीक्षित था अतः दीपोत्सव का आयोजन भी उसी के अनुरूप हुआ। रामराज्य का स्वप्न साकार होता दिख रहा है। आध्यात्मिक चेतना का उदय हुआ है। भगवान राम धर्म, जाति, देश और मानव निर्मित अन्य पहचानों से परे हैं। इन लिषयों से जुड़े मतभेदों को भूलकर श्री राम के आदर्शों पर चलना ही रामराज्य की ओर बढ़ना है। प्रभु श्रीराम का जीवन व उनके आदर्श ही भारत की विश्व का नेतृत्व करने वाला राष्ट्र बनने की आकांक्षा पूरी कर सकते हैं।

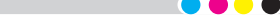


प्रभु श्री रामलला के विराजने से प्रत्येक व्यक्ति भावुक हो रहा है, आनन्द संतुप्त होकर राममय हो रहा है। समस्त सनातन समाज ने अपरिमित धैर्य का परिचय देते हुए इतने लंबे कालखंड तक धैर्य रखा और आज प्रतीक्षित घड़ी आने पर वह उत्सव की सीमाएं लांघ जाना चाहता है। प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या नगरी देवलोक सी लग रही है। यहाँ पधार रहे रामभक्तों का रोम-रोम पुलकित है। अयोध्या में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा सनातन की विजय का अवसर है किन्तु सनातन की मर्यादा का स्मरण कराते हुए प्रधानमंत्री जी ने इसे विनय का पल मानने का आह्वान किया है साथ ही इस दिन को भारत के लिए मानसिक व वैचारिक गुलामी से स्वतंत्रता दिलाने का मार्ग प्रशस्त करने वाला दिन भी बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम और अपने विशिष्ट अनुष्ठान के पूर्ण होने के पश्चात उपस्थित अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि— हमारे राम आ गए, प्राण प्रतिष्ठा हो गई, अब आगे क्या ? और फिर इस प्रश्न का उत्तर देते हुए जोड़ा, अब हमें अगले एक हजार वर्ष की नींव रखनी है। अब हमें वास्तविक रामराज्य की ओर अग्रसर होना है। रामराज्य की सार्थकता इसी में है कि सबके कल्याण की चिंता की जाये। अभी केवल और केवल रामराज्य की स्थापना का ही चिंतन मनन करना है और राष्ट्र को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है और बिलकुल उसी तरह जिस प्रकार से रामयुग था। प्रभु श्री रामलला के आदर्शों का सतत प्रचार करना है ताकि हमारा समाज और अधिक मजबूती से उभर सके। किसी को यह नहीं सोचना कि वो छोटा है, राम जी की गिलहरी को ध्यान में रखना है। प्रभु श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के



अवसर पर जहाँ जन जन प्रमुदित था, वहीं भारत के विरोधी दल नाराज बाराती बनकर बैठे थे। अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के विराजने के अपूर्व अवसर पर कांग्रेस सहित सभी विरोधी दलों को आमंत्रण मिला था किन्तु उन्होंने कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया। नरेंद्र मोदी का विरोध करते करते ये भारत की जन भावनाओं का भी विरोध करने लगे हैं। विपक्ष स्वीकार करें या न करें वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं और उनका अकारण विरोध जन सामान्य को भी अच्छा नहीं लगता। जब भी मोदी जी देशवासियों से कोई अपील करते हैं देशवासी उनकी अपील को मानकर, उनकी अपेक्षा से चार गुना काम कर जाते हैं। जब कोविड काल में लाकडाउन लगा और मोदी

जी ने लोगों से घरों की छतों पर आकर तालियां बजाने की बात कही या एक दीप जलाने की बात कही तो लोगों ने ताली-थाली से लेकर घंटा, घड़ियाल तक बजवा दिये और एक दीप की जगह सैकड़ों दीप जला दिए। तब भी इन दलों को कुछ समझ में नहीं आया था और अब तो प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रभु श्री रामलला का स्वागत करना था तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक राम ज्योति की अपील पर जनता ने अद्भुत दीपोत्सव मना दिया। घर-घर, मंदिर-मंदिर में सुंदरकांड, रामचरित मानस व हनुमान चालीसा सहित विभिन्न प्रकार के आयोजन हो गए। पूरा वातावरण राममय हो गया। गुलामी की मानसिकता वाली विचारधारा की बीमारी से त्रस्त आई.एन.डी.आई.ए. के लोगों को



यह अविस्मरणीय क्षण था घटना भले ही मोदी का चुनावी प्रोपेगंडा लग रही हो किंतु प्रत्येक रामभक्त हिंदू को जो 500 साल के लंबे समय से प्रतीक्षारत था, जिस रामजन्मभूमि के लिए उसके पुरखों ने असंख्य बलिदान दिए फिर भी जो धैर्य से अपनी लड़ाई लड़ता रहा उसके लिए यह दिन न भूतो न भविष्यति वाला है। हर रामभक्त जानता है उसके पूर्वज अपने परम धाम से उसे आशीष दे रहे हैं और वह ये दिन देख सका तो नरेंद्र मोदी जी की प्रबल इच्छाशक्ति, पराक्रम और तप के कारण तो उसका नरेंद्र मोदी से आत्मिक रूप से जुड़ना स्वाभाविक है। यह नरेंद्र मोदी और भारत की जन आकांक्षाओं का आत्मिक जुड़ाव है जो राजनीति से परे है।



10 लाख से कम में 6 एयरबैग के साथ आती हैं ये शानदार कारें, मारुति और ह्युंडई लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली। जब ग्राहक नई गाड़ी खरीदता है तो उसके जेहन में सेफ्टी को लेकर कई सारे सवाल चल रहे होते हैं। उसका प्रयास रहता है कि उसे कम दाम में अच्छे सेफ्टी फीचर्स वाली कार हाथ लग जाए। हम यहां कुछ ऐसी गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं जो 6 एयरबैग के साथ पेश की जाती हैं। लिस्ट में मारुति और हुंडई का नाम शामिल हैं।

Maruti Suzuki Baleno

मारुति सुजुकी बलेनो के Zeta पेट्रोल MT वेरिएंट में 6 एयरबैग ऑफर किए जाते हैं। यह गाड़ी चार वेरिएंट में पेश की जाती है। जिनमें सिग्मा, डेल्टा, जीटा और अल्फा शामिल हैं। इसको सीएनजी विकल्प के साथ भी पेश किया जाता है। इसे आप 10 लाख से कम में सेफ्टी के लिहाज से अपना सकते हैं।

Hyundai Exter

इस गाड़ी में 40 से अधिक सेपटी फीचर्स दिए गए हैं और 6 एयरबैग भी इसमें प्रदान किए जाते हैं। हुंडई एक्स्टर पांच वेरिएंट और 9 कलर ऑप्शन के साथ पेश की जाती है। इसमें 81.80 बीएचपी की शक्ति और 113.8 एनएम का टॉर्क पैदा करने वाला 1197 सीसी का इंजन दिया गया है।

Hyundai i20

लिस्ट में हुडई की तरफ से पेश की जाने वाली i20 का नाम भी शामिल है। यह गाड़ी भी 6 एयरबैग के साथ पेश की जाती है। इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है। इस गाड़ी को 3 स्टार ग्लोबल NCAP रेटिंग दी गई है।

Hyundai Aura

इस गाड़ी में 1197 सीसी का इंजन मिलता है। यह 67.72 बीएचपी की अधिकतम पावर और 113.8 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। इसमें पेट्रोल और सीएनजी दोनों ही ऑप्शन मिलते हैं।



Cars under 10 lakh with 6 airbags अगर आप 10 लाख से कम में 6 एयरबैग के साथ आने वाली कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यहां ऐसी गाड़ियों के बारे में बताया गया है जो कम दाम में शानदार सेफ्टी फीचर्स के साथ आती हैं। लिस्ट में मारुति और हुंडई की गाड़ियां शामिल हैं। आइए इनके बारे में जान लेते हैं।

2024 हयुंडई क्रेट फेसलिफ्ट एक लीटर पेट्रोल में दौड़ेगी 17.7 किलोमीटर



महिंद्रा स्कॉरपियो एन, थार और एक्सयूवी 700 की कीमतों में हुई 57 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी, यहां देखिए नए प्राइस

Mahindra Mahindra की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार सबसे बड़ी कीमत बढ़ोतरी **XUV700 SUV** पर लागू की गई है। 17-सीट कॉम्पिगेशन और मेनुअल गियरबॉक्स वाले **AX7 L** पेट्रोल वैरिएंट में 57000 रुपये की बढ़ोतरी देखी गई है। इसके मेनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन के साथ पेश किया गया **डीजल वैरिएंट** अब 53000 रुपये तक महंगा हो गया है। **आइए अपडेटेड प्राइस लिस्ट के बारे में जान लेते हैं।**

नई दिल्ली | Mahindra ने इस हफ्ते से अपनी फ्लैगशिप एसयूवी Scorpio-N, Thar और XUV700 को महंगा कर दिया है। कार निर्माता ने तीन एसयूवी के कुछ वैरिएंट पर तत्काल प्रभाव से नवीनतम मूल्य वृद्धि लागू कर दी है।

बढ़ती उपदान लागत के कारण इस महीने से उसके वाहन-को की कीमत अधिक हो जाएगी। ताजा बढ़ोतरी में इन गाड़ियों की कीमत 57,000 रुपये तक बढ़ गई है।

Mahindra XUV700 की नई कीमतें

Mahindra & Mahindra की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, सबसे बड़ी कीमत बढ़ोतरी XUV700 SUV पर लागू की गई है- 7-सीट कॉन्फिगरेशन और मैनुअल गियरबॉक्स वाले AX7 L पेट्रोल वैरिएंट में 57,000 रुपये की बढ़ोतरी देखी गई है। इसके मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन के साथ पेश किया गया डीजल वैरिएंट अब 53,000 रुपये तक महंगा हो गया है।

दिलचस्प बात यह है कि नवीनतम अपडेट में एसयूवी के आठ वैरिएंट की कीमतों में भी कमी देखी गई है। पेट्रोल के चार एंटी-लेवल वैरिएंट की कीमतों में 15,000 रुपये तक की गिरावट देखी गई है। ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ 5-सीट विकल्पों के साथ पेशे किए गए AX5 डीजल वैरिएंट पर 21,000 रुपये की सबसे बड़ी कीमत

में गिरावट लागू की गई है।

XUV700 की कीमत अब 13.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है और टॉप-एंड वेरिएंट के लिए 26.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। इसके सात वेरिएंट्स की कीमतें अपरिवर्तित रहेगी।

Mahindra Scorpio-N की नई कीमतें

स्कॉर्पियो-एन और स्कॉर्पियो क्लासिक मॉडल की कीमतों में भी 40,000 रुपये तक की बढ़ोतरी देखी गई है। दोनों एसयूवी के सभी वेरिएंट की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई है, जो एक को छोड़कर, कम से कम 1,000 रुपये से शुरू होती है।

AWD और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ ZS 7-सीटर वेरिएंट की कीमत, जो 23.08 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) में बेची जाती है, अपरिवर्तित बनी हुई है। पेट्रोल और डीजल दोनों संस्करणों में मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ ZS L6-सीटर के सबसे बड़ी बढ़ोतरी की गई है।

जहां पेट्रोल स्कॉर्पियो-एन के एंटी-लेवल वेरिएंट की कीमत में 34,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, वहीं एंटी-लेवल डीजल वेरिएंट की कीमत में 24,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। स्कॉर्पियो-एन एसयूवी अब 13.60 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर आती है और टॉप-एंड वेरिएंट के लिए 24.54 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है।

Mahindra Thar की नई कीमतें

Mahindra Thar एसयूवी के सभी वेरिएंट की कीमतें भी बढ़ा दी गई हैं। सबसे आसानी AX (0) डीजल मैनुअल अब वेरिएंट पर 35,000 रुपये की बढ़ोतरी के साथ लागू की गई है। ऑटोमैटिक गियरबॉक्स वाले टॉप-एंड पेट्रोल वेरिएंट LX की कीमत भी 34,000 रुपये अधिक होगी। थार एसयूवी की कीमत अब 11.25 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है और 17.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है।

2024 Hyundai Creta
Facelift के पेट्रोल मैनुअल
वेरिएंट से 17.4
किलोमीटर/लीटर के माइलेज
का दावा किया गया है। वहीं
पेट्रोल ऑटोमैटिक इंजन से आप
17.7 किलोमीटर/लीटर का
माइलेज अचीव कर सकते हैं।
इसके फेसलिफ्टेड वर्जन को
पहली बार ADAS (एडवांस्ड
ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम)
मिला है और इसमें लगभग 19
फीचर्स शामिल है। आइए इसकी

फ्यूल एफिशियंसी के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली |Hyundai India ने Creta facelift को 11 लाख रुपये में लॉन्च कर दिया है। इसके साथ ही कंपनी ने अपनी इस पॉपुलर एसयूवी के प्म्यूल एफिशियंसी के आंकड़े भी पेश कर दिए हैं। 2024 Hyundai Creta पहले की तरह 115hp, 1.5-लीटर नैचुरल गैस एस्पिरेटेड इंजन और 116hp, 1.5-लीटर डीजल इंजन के साथ जारी रहेगी।

ट्रांसमिशन ऑप्शन
दोनों को मानक के रूप में 6-स्पीड मैनुअल मिलता है, लेकिन क्रेटा और डीजल में क्रमशः CVT या टॉर्क कनवर्टर बिकल्प भी मिलता है। टर्बो-पेट्रोल 160hp, 1.5-लीटर

टर्बो-पेट्रोल इंजन की आड़ में वापसी की है, जो केवल 7-स्पीड DCT के साथ उपलब्ध है। आइए, इसकी स्पूल एफिशियंसी के आंकड़ों के बारे में जान लेते हैं।

2024 Hyundai Creta Facelift का माइलेज

इसके पेट्रोल मैनुअल बेरिंग्स से 17.4 किलोमीटर/लीटर के माइलेज का दावा किया गया है। वहीं, पेट्रोल ऑटोमैटिक इंजन से आप 17.7 किलोमीटर/लीटर का माइलेज अचीव कर सकते हैं।

नई हुंडई क्रेटा का डीजल वेरिएंट ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ 19.1 किलोमीटर/लीटर का माइलेज देगा। वहीं, ऑटोमैटिक इंजन से आप 21.8 किलोमीटर/लीटर का माइलेज अचीव कर सकते हैं।

2024 Hyundai Creta के नए 1.5
टर्बो इंजन को एक लीटर पेट्रोल में 18.4
किलोमीटर तक चलाया जा सकता है।
फीचर्स

फीचर्स

Hyundai Creta के फेसलिफ्टेड वर्जन को पहली बार ADAS (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) मिला है और इसमें लगभग 19 फीचर्स शामिल हैं। इसका मतलब है कि हुंडई क्रेटा का ADAS किआ सेल्योस के ADAS से ज्यादा फीचर्स के साथ आता है। 2024 Hyundai Creta Facelift कुल 36 स्टैंडर्ड फीचर्स और 70 सेप्टी फीचर्स से लैस है।

2024 हंडई क्रेटा को 6 सिंगल-टोन रंग विकल्पों और एक-डुअल-टोन कलर स्कीम में उपलब्ध कराया गया है।

किया सेल्टोस के डीजल वैरियंट को मिला मैनुअल ट्रांसमिशन, यहां जानिए कीमत और खासियत

Kia India ने अपनी प्लेगशिप एसयूवी Seltos में 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन पेश किया है। अब 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ पेश किए जाने वाले डीजल वैरिएंट HTE HTK HTK+ HTX और HTX+ है। नए गियरबॉक्स के साथ सेल्टोस का डीजल वैरिएंट अब तीन ट्रांसमिशन विकल्प प्रदान करता है जिसमें इंटरलिजेंट मैनुअल ट्रांसमिशन (iMT) और 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर भी शामिल है।

नई दिल्ली। Kia India ने अपनी फ्लैगशिप एसयूवी Seltos में 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन पेश किया है। पिछले साल लॉन्च हुई एसयूवी में 1.5-लीटर डीजल इंजन के साथ ये गियरबॉक्स विकल्प नहीं दिया गया था। Seltos में अब पांच नए ट्रिम हैं, जो मैनुअल ट्रांसमिशन विकल्प प्रदान करते हैं। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

Kia Seltos को मिला नया डांसमिशन विकल्प

अब 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ पेश किए जाने वाले डीजल वेरिएंट HTE, HTK, HTK+, HTX और HTX+ हैं। नए गियरबॉक्स के साथ सेल्टोस का डीजल वेरिएंट अब तीन ट्रांसमिशन विकल्प प्रदान करता है, जिसमें इंटेलिजेंट मैनुअल ट्रांसमिशन (iMT) और 6-स्पीड टॉक कनवर्टर भी शामिल है।

Kia ने Seltos के डीजल मैनुअल वेरिएंट को 12 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत पर लॉन्च किया है। पांच वेरिएंट में फैले इस इंजन-गियरबॉक्स कॉम्बिनेशन

की कीमत 18.28 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स पेश करने का निर्णय हुंदई द्वारा कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सेल्टोस की क्रेडा प्रॉटेजिड द्वारा फेसलिफ्ट एसयूवी लॉन्च करने के कुछ दिनों बाद आया है।

क्रेडा के डीजल वीरेंद्र को तीन ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ पेश किया गया है, जिसमें 6-स्पीड मैनुअल, ऑटोमैटिक और एटी गियरबॉक्स शामिल है।

अब तक बिकी 65 हजार गाड़ियाँ

पिछले साल जुलाई में लॉन्च की गई किआ सेल्टोस फेसलिफ्ट एसयूवी पहले ही पूरे भारत में 65,000 से अधिक यूनिट की बिक्री कर चुकी है। ये किआ की भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार है, जो इसकी कुल बिक्री में आधे से अधिक का योगदान देती है। कोरियाई कार निर्माता को उम्मीद है कि मैनुअल ट्रांसमिशन विकल्प की शुरूआत से अधिक खरीदारों को अपने साथ जोड़ने का मौका मिलेगा।

किआ सेल्टोस अपने नए अवतार में इंजन विकल्प के रूप में 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरैटेड पेट्रोल, 1.5-लीटर डीजल और 1.5-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल पेश करता है। ट्रांसमिशन विकल्पों के संदर्भ में यह टर्बो पेट्रोल इंजन के लिए 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स और 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरैटेड पेट्रोल इंजन के लिए सीवीटी यूनिट भी प्रदान करता है। पावर आउटपुट 113 बीएसपी से 158 बीएसपी तक है, जबकि टॉप आउटपुट 144 एनएम और 253 एनएम के बीच है।



आखिर राम अपने पैतृक घर पहुंच गए



कुलदीप चंद अग्निहोत्री

नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा कि राम अपने घर में पहुंच गए हैं। मैं जिस राम की बात कर रहा हूं, वे वाल्मीकि के लौकिक राम हैं जिन का अयोध्या में महाराज दशरथ के घर में माता कौशल्या के गर्भ से नवमी के दिन जन्म हुआ था। वे सूर्यवंश से ताल्लुक रखते थे और महाराज रघु के कुल से होने के कारण रघुवंशी भी कहे जाते थे। रामचंद्र जी को परिवार की भीतरी कलह के कारण अयोध्या का राज्य मिलते-मिलते रह गया था। वे चाहते तो अपने पिता की आज्ञा का उल्लंघन भी कर सकते थे। परिवार के भीतर ही उन्हें कुछ न ऐसा ही करने की सलाह भी दी थी। लेकिन रामचंद्र जी ने राज्य त्याग दिया और पुत्र धर्म का पालन किया। उनकी अदृधांगिनी सीता जी को उनके साथ वनों में जाने की कोई जरूरत नहीं थी। लेकिन वे भी राज महल त्याग कर अपने पति के साथ बनवास में ही रहें। उन्होंने अपने स्त्री धर्म का पालन किया। राम का जीवन आदर्श जीवन कहा जा सकता है। वाल्मीकि महाराज स्वयं अपनी राम कथा में बार-बार यह बताते रहते हैं। ऐसे श्री रामचंद्र जी हमारे पूर्वज थे। वे केवल हमारे ही पूर्वज नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने शासन काल में जो राज काज के मानदंड स्थापित किए, वे आज भी दुनिया भर के आदर्श कहे जा सकते हैं। अयोध्या में हजारों साल से हमारे पूर्वज श्री रामचंद्र जी का स्मृति स्थल बना हुआ था। वह स्मृति स्थल सारे देश को प्रेरणा व ऊर्जा देता था। श्री राम भारत के मानस की अभिव्यक्ति थी'

नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा कि राम अपने घर में पहुंच गए हैं। मैं जिस राम की बात कर रहा हूं, वे वाल्मीकि के लौकिक राम हैं जिन का अयोध्या में महाराज दशरथ के घर में माता कौशल्या के गर्भ से नवमी के दिन जन्म हुआ था। वे सूर्यवंश से ताल्लुक रखते थे और महाराज रघु के कुल से होने के कारण रघुवंशी भी कहे जाते थे। रामचंद्र जी को परिवार की भीतरी कलह के कारण अयोध्या का राज्य मिलते-मिलते रह गया था। वे चाहते तो अपने पिता की आज्ञा का उल्लंघन भी कर सकते थे। परिवार के भीतर ही उन्हें कुछ न ऐसा ही करने की सलाह भी दी थी। लेकिन रामचंद्र जी ने राज्य त्याग दिया और पुत्र धर्म का पालन किया। उनकी अदृधांगिनी सीता जी को उनके साथ वनों में जाने की कोई जरूरत नहीं थी। लेकिन वे भी राज महल त्याग कर अपने पति के साथ बनवास में ही रहें। उन्होंने अपने स्त्री धर्म का पालन किया। राम का जीवन आदर्श जीवन कहा जा सकता है। वाल्मीकि महाराज स्वयं अपनी राम कथा में बार-बार यह बताते रहते हैं। ऐसे श्री रामचंद्र जी हमारे पूर्वज थे। वे केवल हमारे ही पूर्वज नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने शासन काल में जो राज काज के मानदंड स्थापित किए, वे आज भी दुनिया भर के आदर्श कहे जा सकते हैं। अयोध्या में हजारों साल से हमारे पूर्वज श्री रामचंद्र जी का स्मृति स्थल बना हुआ था। वह स्मृति स्थल सारे देश को प्रेरणा व ऊर्जा देता था। श्री राम भारत के मानस की अभिव्यक्ति थी। हिंदेशियों ने भारत के शरीर और मानस दोनों को ही तोड़ने की कोशिश की। बाबर ने पानीपत की लड़ाई में भारत के शरीर को घायल किया और उसके बाद द्वितीय चरण में अयोध्या में भारत के मानस पर प्रहार किया। मानस पर प्रहार के लिए उसे किसी ऐसे पत्नीक की जरूरत थी जो समन्वित रूप से भारतीय आत्मा के जुड़ा हुआ हो। इसलिए बाबर की स्मृतियों को संभालने के लिए भारत के देसी मुसलमानों को मैदान में सकता था ? बाद में मुगल इतिहासकारों ने

लिखना शुरू कर दिया कि मीर बाकी ने वहां मस्जिद का निर्माण करवाया। यह ठीक इतिहास नहीं है। यदि बाबर की मंशा मस्जिद बनाने की होती, तो वह अयोध्या में कहीं भी मस्जिद बनवा सकता था। वहां वह और मध्य एशिया से आए उसके सैनिक नमाज भी पढ सकते थे। लेकिन उसका उद्देश्य मस्जिद बनाना नहीं, बल्कि राम का मंदिर/घर गिरा कर भारतीय मानस को घायल करना था। जब मंदिर गिरा तो उसी के मलबे से जो ढांचा खड़ा किया था, उसको मध्य एशिया के इतिहासकारों, अंग्रेज इतिहासकारों और बाद में कम्युनिस्ट इतिहासकारों ने भी बाबरी मस्जिद कह कर प्रचारित करना शुरू कर दिया। मुगलों, अंग्रेजों की सत्ता समाप्त हो जाने के बाद, भारतीयों ने 'भारत' के शरीर और मानस पर उस दौर में जो घाव हो गए थे, उनकी मरहम पट्टी शुरू की। इसके सबसे बड़े शल्य चिकित्सक सरदार पटेल थे। उन्होंने बिना समय गंवाए सोमनाथ से यह काम चालू कर दिया। लेकिन भारतीयों के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा जब 'भारतीय आत्मा' से कट चुके कुछ भारतीय सत्ताधारियों ने ही उसका विरोध करना शुरू कर दिया। दुर्भाग्य से पटेल जल्दी ही गोलोकवासी हो गए। लेकिन भारतीयों के सामूहिक रूप से मरहम पट्टी का यह काम जारी रखा।

उस शल्य चिकित्सा में बाबर द्वारा अयोध्या में बनाए गए एक ढांचे को गिराना भी शामिल था। लेकिन यह किसी मजहब के इबादत खाने को गिराने का मामला नहीं था। यह आक्रमणकारियों द्वारा फैलाए गए प्रदूषण को साफ करने का मामला था। लेकिन भारत में रह रहे एटीएम यानी अरब, तुर्क और मुगल मूल के मुसलमानों ने इसे अपने पूर्वजों द्वारा भारत की विजय को आम पराजय में बदलने की क्रिया के रूप में माना। वे समझ तो गए कि भारत में अब अरबो, तुर्कों और मुगलों का युग बीत चुका है। जवाहर लाल नेहरू भी अब नहीं हैं। इसलिए बाबर की स्मृतियों को संभालने के लिए भारत के देसी मुसलमानों को मैदान में उतारना पड़ेगा। इसलिए जब बाबर की इस



निशानी को जब गिराया गया, तो एटीएम के लोगों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया कि बाबरी मस्जिद गिरा दी गई है, इससे भारत का मुसलमान आहत हो गया है। भला भारत के देसी मुसलमान का बाबर से क्या रिश्ता है ? मध्य एशिया से आए हुए कुछ गिनिती के मुसलमानों को छोड़ कर, जो अपने आप को बाबर के वंशज कह सकते हैं, शेष मुसलमान तो यहीं के देसी मुसलमान हैं, उनका राम से संबंध नै कि बाबर से। तो वे बाबर के बनाए ढांचे के गिरने से नाराज या आहत क्यों होंगे ? वे हुए भी नहीं, बल्कि अपने वक्त में उनके पूर्वज

तो उस समय दुःखी हुए होंगे जब बाबर के सैनिक राम का मंदिर गिरा रहे होंगे। मोटे तौर पर भारत के देसी मुसलमान इस बार एटीएम के झंसे में नहीं फंसे। अयोध्या में बना वह बाबरी ढांचा गिरा तो सभी को लगा कि अब जल्दी ही रामचंद्र जी की स्मृति में पुराना मंदिर एक बार फिर साकार हो जाएगा। लेकिन हद तो तब हो गई जब राम नवमी की छुट्टी देने वाली भारत सरकार ही चिल्लाने लगी कि अयोध्या में रामचंद्र नाम का कोई व्यक्ति कभी पैदा ही नहीं हुआ था। यह सब काल्पनिक कहानी है। इतना साहस तो बाबर और उसके बाद के मध्य एशिया के हमलावर भी नहीं कर सके थे।

यदि राम काल्पनिक होते तो बाबर की सेना को भारत में उनकी स्मृति से जुड़े स्थानों को गिराने की जरूरत ही नहीं थी। अरब देशों और तुर्कों ने भी चीखना चिल्लाना शुरू किया। इससे एटीएम भारत में और ज्यादा जोर से ढोल पीटने लगा। लेकिन इससे एक लाभ भी हुआ। भारत का देसी मुसलमान समझ गया कि इस देश में रह रहा अरब, तुर्क और मुगल मूल का मुसलमान अपने आपको भारत के देसी मुसलमान से नहीं जोड़ता, बल्कि अपने आप को विदेश के अरब और तुर्क के ज्यादा नजदीक मानता है। वह अभी भी अपने आप को भारत को जीतने वाले विदेशियों से जोड़ता है। देसी मुसलमानों ने स्वीकार किया कि हमारे पुर्खे तो इसी देश के रहने वाले थे। उन्होंने अपना मजहब बदला था, राष्ट्रीयता नहीं। भारत के देसी मुसलमानों ने राम के मामले में पहली बार एटीएम के सैनिकों के आदेश को मानने से इंकार कर दिया। यही कारण है कि भारत का देसी मुसलमान

अयोध्या में राम के आने पर बाकी देशवासियों के साथ जश्न मना रहा है। श्रीनगर तक मैं लाल चौक पर वे मुसलमान जिन के पूर्वजों ने कभी मजहब बदल लिया था, राम के अयोध्या आने पर बधाइयां देते देखे गए। पांच सौ साल बाद राम अयोध्या में वापस आए हैं, यह निश्चय ही भारतीय अस्मिता के पुनः जागरण के काल के उदय का संकेत है। नरेंद्र मोदी ने सही कहा है। यह अवसर किसी फिरके की जीत या किसी फिरके की हार का नहीं है। बल्कि यह भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत है।

संपादक की कलम से गठबंधन से पहले अलगाव



हमने पहले भी लिखा है कि विपक्ष का गठबंधन टूटने के लिए बनता है। चूंकि विपक्ष की निधति टूटने की है, लिहाजा बार-बार गठबंधन करना पड़ता है। यह निर्यति हम जनता पार्टी के दौर से देखते आ रहे हैं। इस बार ‘इंडिया’ का प्रयोग कुछ भिन्न और व्यापक लग रहा था, लेकिन दो अलगाव ऐसे घोषित किए गए हैं कि विपक्षी गठबंधन की संभावनाएं प्रभावहीन लगती हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और पंजाब में भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से घोषणाएं की हैं कि वे अकेले ही सभी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा।

अलबता उन्होंने ‘इंडिया’ का हिस्सा बने रहने की भी घोषणाएं की हैं। अपने प्रभाव क्षेत्रों के बाहर गठबंधन के मायने क्या हैं ? यदि ये घोषणाएं ‘अंतिम’ हैं, तो भाजपा की चुनावी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ममता और भगवंत मान दोनों ही अपने-अपने राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आश्चर्य यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। वह छुटभैया नेता नहीं हैं, बल्कि लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। वह ममता बनर्जी को ‘अवसरवादी नेता’ करार देते रहे हैं और बार-बार बयान देते हैं कि ममता कांस्य की कृपा और मदद से ही पहली बार सत्ता में आई थीं। कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ने में सक्षम है। ममता ‘इंडिया’ की भीतरी राजनीति से शुष्क थीं। उनके प्रत्येक प्रस्ताव को खारिज किया गया। गठबंधन में वाममोर्चे के नेताओं का प्रचार ज्यादा है और वे हरेक बैठक को ‘तारपीडो’ करते रहे हैं। ममता का आरोप है कि राज्य में

कांग्रेस की रैलियां की जा रही हैं। उनके खिलाफ जहर उगला जा रहा है। राहुल गांधी की ‘न्याययात्रा’ की न तो उन्हें जानकारी दी गई और न ही कोई आमंत्रण मिला। बंगाल में ‘न्याय यात्रा’ और राहुल गांधी के जो पोस्टर लगाए गए थे, ममता की घोषणा के बाद उन्हें फाड़ना शुरू कर दिया गया। दोनों दलों के बीच जहराला अलगाव इस हद तक पहुंच चुका है।

अंततः ममता ने फैसला किया कि उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस के साथ, कोई गठबंधन नहीं करेगी और सभी 42 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बयान देकर पार्टी का नरम रुख बताया कि ममता के बिना ‘इंडिया’ गठबंधन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। बहरहाल तृणमूल कांग्रेस बंगाल की सबसे मजबूत राजनीतिक ताकत है। 2019 के आम चुनाव में 43 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर उसके 22 सांसद जीते थे, जबकि कांग्रेस के 5.5 फीसदी वोट के साथ मात्र 2 सांसद ही संसद तक पहुंच पाए थे। वाममोर्चे को करीब 7.5 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन संसद के तौर पर ‘शिल्प’ ही नसीब हुआ। भाजपा को 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे और उसके पहली बार 18 सांसद चुने गए। दरअसल विपक्षी गठबंधन अपने अस्तित्व के करीब 7 माह के दौरान चाय-नाश्ते पर बैठके तो कर सका, लेकिन सीटों के बंटवारे, सचिवालय, संयोजक, साझा न्यूट्रल कार्यक्रम, साझा नारा, ध्वज आदि पर आज तक सहमत नहीं हो सका है। अब तो अलगाव की नौबत भी आ गई है। बंगाल के अलावा, पंजाब की घोषणा भी अलगाववादी है। ऐसी स्थिति में मोदी का मुकाबला कैसे होगा ?

ब्रह्मानंद राजपूत

हमारा संविधान ही हमें अभिव्यवित की आजादी देता है

राय हम पूर्ण हैं कहां

पूर्ण राज्यत्व की सौंगंध खाते हुए आधी सदी गुजर गई, लेकिन हम घोषणा व संकल्प के बीच सीधा रास्ता नहीं चुन पाए। इसके एेवज में हमारी लड़ाइयां बढ़ गईं तो अदालतें बढ़ा दी गईं। ग्रामीण आर्थिक तहस-नहस हो गई, लेकिन पंचायत का चुनाव महंगा और छप्पर को छप्पर से लड़ाने की तस्वीर हो गया। जागरूक हिमाचलियों के तमगे ने सामूहिकता और सामुदायिक भावना के सारे छोर छीन लिए, अलबता हमने नदी से किनारे, बावड़ी से जल स्रोत और कुहल से उदकी रफ्तार छीन ली। ऐसे में क्या रियासतों का हिमाचल बेहतर था जहां जनता खुद त्योहार बुनती थी या जहां साझी रसोई का धुआं मंडी की प्रदक्षिणा करता था। क्या सुजानपुर के मैदान या चंबा के चौगान जैसा कोई और मैदान हम इन पचास सालों में बना पाए। क्या कांगड़ा चाय के बागान को बढ़ा पाए। आज भी भूरिसिंह, कांगड़ा या राज्य संग्रहालय की चाक चौबंद दीवारों के भीतर कहीं कांगड़ा कलम चीख रही है या राजा का कलात्मक माहौल कहीं गुम है। शोर बहुत है नगाड़ों का, लेकिन खबर इन पर पाबंदी की है। बेशक एक नए हिमाचल की कसرتों के हमने बीज बोए, उगाए और काटे भी, मगर हमारे कृषि-बागवानी विश्वविद्यालय अब आयातित अरुन्धतमान की शाखाओं पर किसान-बागवान की जन्मपत्री देख रहे हैं। किसान देश की जन्मपत्री में किसान निधि के छह हजार रुपये पर पल रहा है और खेत में वानर नृत्य मशहूर हो गया। अगर यही हमारे राज्य की संपूर्णाता है, तो कोई खोज कर बताए कि बड़सर का गुड़ और शक्कर कहां चली गई। कहां चली गई बगली की बासमती की खुशबू और कहां भटक गया घुमारवीं का जमिंकंद। अब भ्रमर-बिलासपुर की मज्की के बीज उदारद हैं और सिरमौर का अदरक गंजा हो गया। न रहे गन्ने के खेत और नहीं बचे खेतों की मुंडेर पर खिलते हुए चकोरें और माल्टे। अब कहां बची किन्नौर की पट्टी और सिरमौर का लोहैया, हर हिमाचली की मज्की पर चढ़ गया पावरलूम का नशा। तिरस्कृत सत्तू ने पिज्जा को हलाल किया, तो अम्मा की लोरियों पर शगुन बन कर और डीजेल के शोर में ताना गुम है। हम पूर्ण नहीं, बल्कि लंबे हो गए। कभी देखी होंगी जेएनआरएम की लंबी गाडियां उन्हीं छोटी सड़कों पर जो बताती हैं कि ये मुंछें घास की नहीं, हमारी तरक्की की नाक हैं। और यही तरक्की की नाक राजनीति के मक्काबलों ने जब धारण की तो हर सत्ता एक दुकान, खुशफहमी की दीवार और प्रशंसकों की भीड़ में भ्रम की दरबार हो गई। क्या हम 75 हजार करोड़ का धांध उठाकर कभी पूर्ण हुए। क्या हम जरूरत से अधिक घाटे के सरकारी उपक्रम चलाकर पूर्ण हुए। क्या हम लगातार सरकारी कर्मचारियों के वेतन-भत्ता पर मेजरबान होकर राज्य को पूर्ण बना पाए। वर्षों तक या आज भी राज्य की नियमावली की कठोरता निजी क्षेत्र की बांह मरोड़ कर सोच रही कि इस तरह आत्मनिर्भरता लायक घन बटोर लेगी। मजेदार बात यह कि हम शराब का खबील लगाकर सरकारी खजाने को ताकत दे रहे हैं। विभागीय लक्ष्यों में धनोपार्जन की बिधियों में कुछ विभाग महती योगदान को उतारू रहते हैं, जबकि बिना पार्किंग सुविधा के आनलाइन जुमने की झड़ी लगाकर पुलिस बटोर लेती है खासा धन। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड दरअसल निजी उद्योग धंधों को परास्त करने की ऐसी छड़ी है, जो कभी घाव देने से रुकती नहीं। तीसरा खजाना खनन है, जो हिमाचल की दोपहरी में अंधेरों की कालिख लिए प्रदेश को खोद रहा है।

गणतंत्र दिवस हमारे संविधान में संस्थापित स्वतंत्रता, समानता, एकता, भाईचारा और सभी भारत के नागरिकों के लिए न्याय के सिद्धांतों को स्मरण और उनको मजबूत करने का एक उचित अवसर है। क्योंकि हमारा संविधान ही हमें अभिव्यक्ति की आजादी देता है।

गणतंत्र दिवस हर वर्ष जनवरी महीने की 26 तारीख को पूरे देश में देशभ्रम की भावना से ओत-प्रोत होकर मनाया जाता है। भारत के लोग हर साल 26 जनवरी का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि 26 जनवरी को ही 1950 में भारतीय संविधान को एक लोकतांत्रिक प्रणाली के साथ भारत देश में लागू किया गया था। कहा जाए तो 26 जनवरी को ही हमारे गणतंत्र का जन्म हुआ। और भारत देश एक गणतांत्रिक देश बना। हमारे देश को आजादी तो 15 अगस्त 1947 को ही मिल गयी थी, लेकिन 26 जनवरी 1950 को भारत एक स्वतंत्र गणराज्य बना और भारत देश में नए संविधान के जरिए कानून का राज स्थापित हुआ। यह दिन उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भी याद करने का दिन है, जिन्होंने अंग्रेजों से भारत को आजादी दिलाने के लिए वीरतापूर्ण संघर्ष किया। आज के दिन ही भारत ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की स्थापना के लिए उपनिवेशवाद पर विजय प्राप्त की।

गणतंत्र दिवस हमारे संविधान में संस्थापित स्वतंत्रता, समानता, एकता, भाईचारा और सभी भारत के नागरिकों के लिए न्याय के सिद्धांतों को स्मरण और उनको मजबूत करने का एक उचित अवसर है। क्योंकि हमारा संविधान ही हमें अभिव्यक्ति की आजादी देता है। अगर देश के नागरिक संविधान में प्रतिष्ठापित प्रालों को

अनुसरण करेंगे तो इससे देश में अधिक लोकतांत्रिक मूल्यों का उदय होगा। भारत का संविधान सबको समान अधिकार देता है, भारतीय संविधान किसी से भी जाति, धर्म, ऊंच-नीच और अमीरी-गरीबी के आधार पर कभी भी भेदभाव नहीं करता है।

आज बेशक भारत विश्व की उभरती हुई शक्ति है। लेकिन आज भी देश काफी पिछड़ा हुआ है। देश में आज भी कन्या जन्म को दुर्भाग्य माना जाता है, और आज भी भारत के रूढ़िवादी समाज में हजारों कन्याओं की भ्रूण में हत्या की जाती है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। सरेंआम महिलाओं से छेड़छाड़ और बालात्कार के किस्म भारत देश में आम बात हैं। कई युवा (जिनमें भारी तादात में लड़कियां भी शामिल हैं) एक तरफ जहां हमारे देश का नाम ऊंचा कर रहे हैं। वहीं कई ऐसे युवा भी हैं जो देश को शर्मसार कर रहे हैं। दिनदहाड़े युवतियों का अपहरण, छेड़छाड़, यौन उत्पीड़न कर देश का सिर नीचा कर रहे हैं। हमें पैदा होते ही महिलाओं का सम्मान करना सिखाया जाता है पर आज भी विकृत मानसिकता के कई युवा घर से बाहर निकलते ही महिलाओं की इज्जत को तार-तार करने से नहीं चुकते। इस सबके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार शिक्षा का भाव है। शिक्षा का अधिकार हमें भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों के रूप में अनुच्छेद 29-30 के अन्तर्गत दिया गया है। लेकिन आज भी देश के कई हिस्सों में में नारी शिक्षा को सही नहीं माना जाता है। नारी शिक्षा को बढ़ाव देने के लिए भारत सरकार के साथ भारतीय समाज को भी आगे आना होगा। तभी देश में अशिक्षा जैसे अंधेरे में शिक्षा रुपी दीपक को जलाकर उजाला किया जा सकता है।

देश में आज अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर देश विरोधी ताकतें बढ़ रही हैं, यही देश विरोधी ताकतें संविधान की गलत तरीके से व्याख्या करती हैं। यही देश विरोधी ताकतें देश में अराजकता फैलाने में अहम् भूमिका निभाती हैं।

हास्य रस

यह मजाक नहीं, अक्षरशः सत्य है कि मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। सुबह पीली को स्कूल छोड़ने घर से निकल रहा था, तभी यमदूत आ गए, बोले -“चलिए नरक लोक में आपको याद फरमाया जा रहा है।” मैं बोला ‘देखिए, डेढ़-दो घण्टे बाद आना, मैं अपनी पीली को स्कूल छोड़ आऊं।’ बेचारे मान गए, चुपचाप चले गए। स्कूल से छोड़कर आया तो पत्नी ने थैला थमा दिया और बोली -“जाओ बाजार से सब्जी ले आओ।” सब्जी लेने के लिए निकलने लगा और यमदूत फिर आ गए, मैंने कहा -“कमाल कर दिया। मैंने डेढ़-दो घण्टे का नाम लिया और आप इसी दरम्यान आ गए। थोड़ी तो लिहाज करो, मुझे तो ले जाना, लेकिन घर के सात सदस्यों को सब्जी

तो लाकर दे दूं। अभी आप घण्टे भर और ठहरो।’ वे बोले -“देखो हमारी भी नौकरी है। महाराज यम कहेंगे कि किसी को लाने में इतना वक्त थोड़े ही लाता है। हम तो कोरियर वाले हैं, आत्मा को ले जाना हमारा काम है। चलो घण्टे पर बाद आ जाएंगे। लेकिन अबकी बार नहीं चलेगी कोई बहाना।” मैंने कहा-“मैं कोई बहाना नहीं कर रहा। यह वास्तविकता है।” वे चले गए और मैं सब्जी लेने बाजार। वापस घर आया, शेव बनाने और नहाने-धोने तथा टिफिन तैयार करने में लग गया। मुझे याद ही नहीं रहा कि यमदूत आएंगे। स्कूटर स्टार्ट कर ही रहा था कि वे आ गए। वे बोले -“लाला, कहां रफूचक्कर हो रहे हैं। अभी घर से निकल जाते तो हम ढूंढते-फिरते।

अब चलो।” मैंने कहा -“अब तो शाम के 6 बजे तक मैं दफ्तर जाने के लिए बुक हूं। वहां लोगों के काम करने हैं और जाऊंगा तो दो पैसे रिश्तवत के घर में लेकर आऊंगा, जिससे घर आराम से चलेगा। भाई नौकरी का मामला है, इस समय तो मैं नरक में भी नहीं जा सकता। नरक यहां क्या कम है। यहां भी भोग ही रहा हूं। ऐसा करो फिलहाल किसी और का ले जाओ। बहुत से ठाले लगे हैं जो गप्पे लगा रहे हैं। यमराज कौनसा रिकॉर्ड देखने बैठेगे, उसे डाल दोगे नरक में।

यमदूत बोले -“नहीं, हम ऐसा नहीं कर सकते। हमारी नौकरी चली जाएगी। यमराज के पास पूरा रिकॉर्ड है। रिकॉर्ड में हेरा-फेरी के आरोप में हम फंस गए तो, इनक्वायरी बैठ जाएगी। इसलिए

अब तो आप दफ्तर नहीं, यमराज के पास चलो।” मैं बोला -“देखो, मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। गृहस्थी की चक्की में कोल्हू के बेल की तरह जुता हुआ हूं। कृपाय मुझे दफ्तर जाने दो। यमदूत दो थ, दोनों ने एक-दूसरे का मुंह देखा, फिर मुझसे बोले -“अच्छा तो शाम का टाइम बता दो, हम उस समय आ जाएंगे।” मैंने कहा -“साढ़े छह बजे बाद कभी भी आ जाओ।” वे अपने धाम चले गए और मैं मेरे दफ्तर में। शाम को दफ्तर में यकायक काम आ गया तो समय पर निकलना नहीं हुआ। बॉस ने कहा – काम पूरा करके जाओ। मैं भी यहीं हूं। मन मारकर दिनभर लगाई गप्प का मजा फिरक रहा गया। हारकर काम करते रहे। साढ़े सात बजे के

करीब वाईफ का घर से फोन आया कि कोई दो डाकवने से व्यक्ति घर पर मेरी वेंट कर रहे हैं। मुझे यकायक याद आया कि यमदूत आ गए। मैंने सांचा ये मौत भी मेरे हाथ धोकर पीछे पड़ गई है। और मुझे मरने की भी फुरसत नहीं है। मैंने सोचकर पत्नी को फोन लगाया और कहा कि कह दो उन्हें, अभी टाइम नहीं है। आप किसी संडे को आना। बर्किंग-डे के दिन तो वाकई मरने की भी फुरसत नहीं है। यमदूत दफ्तर का पता नहीं जानते थे, अतः चले गए। लेकिन संडे को नहीं आएंगे न। संडे को पत्नी के साथ बाजार जाना है। देखो क्या होता है, मैं संडे को ही बता पाऊंगा। वास्तव में मुझे फिलहाल तो मरने की फुरसत नहीं है।

पूरन सरमा



इनसाइड

फौक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू को पद्म भूषण से किया गया सम्मानित, यहां जानें डिटेल



फौक्सकॉन समूह के सीईओ और चेयरमैन यंग लियू को 75वें गणतंत्र दिवस के मौके पर पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। बता दें कि पद्म भूषण भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। यंग लियू 17 पद्म भूषण पाने वाले लोगों में एकमात्र विदेशी व्यक्ति हैं। लियू के नेतृत्व में फौक्सकॉन भारत सेमीकंडक्टर मिशन में शामिल हो गया है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फौक्सकॉन समूह के सीईओ और चेयरमैन यंग लियू को 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

गुरुवार को की गई एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, 17 पद्म भूषण प्राप्तकर्ताओं की सूची में लियू एकमात्र विदेशी हैं।

फौक्सकॉन का कार्यबल होगा **दोगुना** बता दें कि जून 2019 में टेरी गौ से सीईओ और चेयरमैन के रूप में बागडोर संभालने के बाद उनके नेतृत्व में फौक्सकॉन ने 2019 में भारत में आईफोन बनाना शुरू किया। Apple ने बंगलुरु के विस्ट्रॉन प्लांट में iPhone बनाना शुरू किया था जिसे अब Tata Group ने अधिग्रहित कर लिया है।

फौक्सकॉन में 40,000 से अधिक लोग कार्यरत हैं और इस वर्ष इसकी कार्यबल को दोगुना करने की योजना है। समूह का भारत में 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का कारोबार है और इसने अब तक देश में 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन का रहे हिस्सा

लियू के नेतृत्व में फौक्सकॉन भारत सेमीकंडक्टर मिशन में शामिल हो गया है जिसके माध्यम से सरकार देश में एक सेमीकंडक्टर इको सिस्टम स्थापित करने का इच्छुक है। फौक्सकॉन एचपीएस समूह के साथ एक आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण संयुक्त उद्यम स्थापित करने की प्रक्रिया में है। बता दें कि फौक्सकॉन संयुक्त उद्यम में 37.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर का शुरुआती निवेश करेगी।

परिवहन विशेष न्यूज

सरकार ने ऊर्जा परिवर्तन परियोजनाओं में उनके निवेश का समर्थन करने के लिए राज्य के स्वामित्व वाले ईंधन खुदरा विक्रेताओं में इक्विटी निवेश की राशि को आधा कर दिया है। इसके बाद से राशि 15000 करोड़ रुपये रह गई है। कच्चा तेल खरीदने के लिए 5000 करोड़ रुपये का भी प्रस्ताव दिया था मगर तेल बाजारों में उभरते रुझानों को देखते हुए उस योजना को भी स्थगित कर दिया गया है।

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि सरकार ने ऊर्जा परिवर्तन परियोजनाओं में उनके निवेश का समर्थन करने के लिए राज्य के स्वामित्व वाले ईंधन खुदरा विक्रेताओं में इक्विटी निवेश की राशि को आधा कर 15,000 करोड़ रुपये कर दिया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल 1 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2023-24 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) के लिए वार्षिक बजट पेश करते हुए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) और में 30,000 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश की घोषणा की थी।

टाटा और एयरबस ने की साझेदारी, बनाएंगे प्राइवेट हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन

मेक इन इंडिया को बढ़ावा देते हुए एयरबस हेलीकॉप्टर्स ने घोषणा की है कि वह देश में हेलीकॉप्टरों के लिए फाइनल असेंबली लाइन को स्थापित करने के लिए टाटा समूह के साथ साझेदारी कर रहा है। FAL भारत के लिए अपनी सिविल रेंज से एयरबस के सबसे ज्यादा बिकने वाले H125 हेलीकॉप्टर का प्रोडक्शन करेगा और कुछ पड़ोसी देशों को निर्यात करेगा।

नई दिल्ली। 'मेक इन इंडिया' पहल में एक कदम और आगे बढ़ते हुए एयरबस हेलीकॉप्टर्स ने टाटा ग्रुप के साथ एक साझेदारी की है, ताकि देश में हेलीकॉप्टरों के लिए एक अंतिम असेंबली लाइन (FAL) स्थापित किया जा सके।

यह एक ऐतिहासिक कदम है, जो भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' प्रोग्राम के साथ जुड़ते हुए देश के विकास में योगदान दे रहा है। बता दें कि भारत में हेलीकॉप्टर मैन्युफैक्चरिंग सुविधा स्थापित करने में निजी क्षेत्र द्वारा अग्रणी

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) तीन राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों की ऊर्जा परिवर्तन योजनाओं का समर्थन करेगी। इसके साथ ही, उन्होंने कर्नाटक के मैंगलोर और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में रणनीतिक भूमिगत भंडारण को भरने के लिए कच्चा तेल खरीदने के लिए 5,000 करोड़ रुपये का भी प्रस्ताव दिया था, जिसे भारत ने किसी भी आपूर्ति व्यवधान से बचाने के लिए बनाया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि तेल बाजारों में उभरते रुझानों को देखते हुए उस योजना को भी स्थगित कर दिया गया है। जबकि अन्य राज्य के स्वामित्व वाली तेल कंपनियों जैसे तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) और गेल (इंडिया) लिमिटेड ने भी शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है, इक्विटी समर्थन तीन ईंधन खुदरा विक्रेताओं तक सीमित था। जिन्हें 2022 में भारी नुकसान हुआ था जब उन्होंने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद कच्चे तेल (कच्चे तेल) की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद खुदरा पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतें बरकरार रखीं।

तेल कंपनियों के लिए इक्विटी समर्थन हुआ आधा

वित्त मंत्रालय ने एकसूत्रीय रूप से एक पोस्ट में बजट घोषणाओं के नतीजों का विवरण देते हुए इक्विटी समर्थन को आधा करने और रणनीतिक भंडार भरने को टालने के



भूमिका निभाने का पहला उदाहरण है।

एयरबस ने की घोषणा

एयरबस हेलीकॉप्टर्स ने अपने आधिकारिक प्लेटफॉर्म पर घोषणा की है कि वह देश में हेलीकॉप्टरों के लिए फाइनल असेंबली लाइन (एफएल) स्थापित करने के लिए टाटा समूह के साथ साझेदारी कर रहा है।

FAL भारत के लिए अपनी सिविल रेंज से एयरबस के सबसे ज्यादा बिकने वाले H125 हेलीकॉप्टर का प्रोडक्शन करेगा और कुछ पड़ोसी देशों को निर्यात करेगा।



बारे में जानकारी दी।

इसमें कहा गया है कि बजट (2023-34 के लिए) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा ऊर्जा सुरक्षा के लिए प्राथमिकता वाले पूंजी निवेश के लिए 35,000 करोड़ रुपये प्रदान करता है।

इसमें से 30,000 करोड़ रुपये तेल विपणन कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को हरित ऊर्जा और शुद्ध शून्य पहल के लिए पूंजी समर्थन के

लिए थे, और शेष मैंगलोर और विशाखापत्तनम में गुफाओं के लिए कच्चे तेल की खरीद के लिए थे।

2023-24 में ओएमसी में इक्विटी निवेश

वित्त मंत्रालय ने निर्णय के कारणों का विवरण दिए बिना कहा कि 30 नवंबर, 2023 को आयोजित वित्त समिति की बैठक के दौरान, यह निर्णय लिया गया कि वित्त वर्ष 2023-24 में ओएमसी में इक्विटी निवेश के लिए अधिकतम 15,000 करोड़ रुपये प्रदान किए जा

सकते हैं।

उद्योग के सूत्रों ने कहा कि यह निर्णय चालू वित्त वर्ष में तीन कंपनियों की लाभप्रदता में वृद्धि से जुड़ा हो सकता है, जिसने पिछले 2022-23 (अप्रैल 2022 से मार्च 2023) वित्तीय वर्ष में घाटे को आंशिक रूप से कवर किया है। तीनों इस साल अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बावजूद खुदरा बिक्री कीमतों में स्थिरता 21वें महीने तक बढ़ गई है।

सूत्रों ने कहा कि 31 मार्च को समाप्त

होने वाले इस वित्तीय वर्ष में अपने राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 5.9 प्रतिशत तक सीमित करने की कोशिश में सरकार द्वारा खर्च को प्राथमिकता देने से इक्विटी निवेश में कटौती और कच्चे तेल की फाइलिंग में देरी को जोड़ा जा सकता है।

ऐसा तब हुआ है जब सरकार को विशेष रूप से सार्वजनिक उपक्रमों में हिस्सेदारी की बिक्री या विनिवेश से राजस्व संग्रह में कमी का सामना करना पड़ रहा है।

10 महीनों में हुए रिकार्ड 75 हजार पेटेंट: पीयूष गोयल



गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इनोवेटर और उद्यमियों से बात करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि कारोबारियों पर बोझ कम करने के लिए सरकार ने 40 हजार अनुपालनों को या तो खत्म कर दिया है और उन्हें सरल बना दिया गया है। जन विश्वास कानून इस दिशा में उठाया गया पहला कदम है और इसने लोगों और व्यापारियों को विश्वास दिलाया है।

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले 10 महीनों के दौरान रिकार्ड 75,000 पेटेंट दिए हैं और यह भारत के नवाचार करने की क्षमता को प्रदर्शित करता है। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

कारोबारियों को सहूलियत

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इनोवेटर और उद्यमियों से बात करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि कारोबारियों पर बोझ कम करने के लिए सरकार ने 40 हजार अनुपालनों को या तो खत्म कर दिया है और उन्हें सरल बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार व्यवसाय करना आसान बना रही है और कानून का पालन करने में आम आदमी बोझ न महसूस करे, इसलिए नियमों और प्रक्रियाओं को आसान बनाया जा रहा है।

जन विश्वास कानून जन विश्वास कानून इस दिशा में उठाया गया पहला कदम है और इसने लोगों और व्यापारियों को यह विश्वास दिलाया है कि सरकार उन पर भरोसा करती है। गोयल ने कहा कि अगर आप छोटी सी गलती करते हैं तो आपको अपराधिक प्रविधानों के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

शेयर मार्केट ने दुनिया में लहराया परचम, बरगद के पेड़ के नीचे से शुरू हुई ट्रेडिंग

शेयर मार्केट की जब भी बात आती है तो हरशद मेहता जैसे स्कैम के साथ सेसेक्स की ऊंचाईयों की भी बात आती है। शेयर बाजार निवेश के लिए काफी अच्छा ऑप्शन माना जाता है। 2023 का दिसंबर शेयर बाजार के लिए काफी लकी रहा है। वहीं जनवरी में भारतीय शेयर बाजार विश्व का चौथा बाजार बन गया। इस आर्टिकल में जानते हैं कि शेयर मार्केट ने कब ऊंचाईयों को छुआ है।

नई दिल्ली। जिस तरह देश की आजादी आसान नहीं रही ठीक उसी तरह शेयर बाजार का सफर भी आसान नहीं रहा। एक छोटे से भारत में बरगद के पेड़ के नीचे शेयर बाजार की शुरुआत हुई थी। आज ये ग्लोबल शेयर मार्केट में चौथे स्थान तक पहुंच गया है। हां, इस मुकाम तक पहुंचने में बाजार में कई उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा जैसे हर्षद मेहता स्कैम, कोविड-19 मार्केट क्रैश आदि। इस तरह के स्कैम के बाद भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजार ने अपना काफी अच्छा प्रदर्शन बना रखा है। आज आपको इस लेख में शेयर मार्केट के सफर के बारे में विस्तार से बताएंगे। जानते हैं कि कब शेयर बाजार ने नई ऊंचाइयों को छुआ है।

भारत में शेयर मार्केट का शुभारंभ 18वीं सदी से हो गई है। 18वीं सदी में ईस्ट इंडिया कंपनी ने लोन सिक्योरिटीज (Loan Securities) के लिए ट्रेडिंग शुरू किया था। इसके बाद 1830 में बंबई (मुंबई) में बैंक के स्टॉक और कपास प्रेसिस (Cotton presses) की ट्रेडिंग शुरू हो गई थी।

डिसट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब के लिए 5000 करोड़ के वित्तीय आवंटन की मांग, वैश्विक शिपिंग लाइन स्थापित करना भी जरूरी

फियो ने कहा है कि वस्तु निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए सभी राज्य व जिलों की भागीदारी को बढ़ाना होगा। 50 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब विकसित करने के लिए बजट में 5000 करोड़ का आवंटन करना चाहिए। वस्तु निर्यात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी देश के सिर्फ पांच राज्यों की है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस (फियो) ने कहा है कि वस्तु निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए सभी राज्य व जिलों की भागीदारी को बढ़ाना होगा। इस काम के लिए सरकार को 50 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब विकसित करने के लिए बजट में 5000 करोड़ का आवंटन करना चाहिए।

वस्तु निर्यात में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी देश के सिर्फ पांच राज्यों की है। गुजरात

अकेले वस्तु निर्यात में 30 प्रतिशत का योगदान देता है। 15 राज्य व केंद्रशासित प्रदेश ऐसे हैं जिनका वस्तु निर्यात में एक प्रतिशत से भी कम का योगदान है। इनकी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब विकसित करना जरूरी है।

500 जिलों में निर्यात प्रोत्साहन रणनीति तैयार देश के 500 जिलों में निर्यात प्रोत्साहन रणनीति तैयार कर ली गई है, लेकिन इफ्रास्ट्रक्चर व निर्यात संबंधित अन्य सुविधाओं की कमी से रणनीति पर अमल नहीं हो पा रहा है। इसलिए सरकार की तरफ से एक जिला के लिए 100 करोड़ के फंड की घोषणा होनी चाहिए।

आगामी एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट की घोषणा करेगी। फियो के कार्यवाहक अध्यक्ष



इसरार अहमद ने बताया कि उन्होंने वित्त मंत्री से बजट में वैश्विक शिपिंग लाइन भी विकसित करने की घोषणा की मांग की है। ताकि शिपिंग के मद में भारतीय निर्यातकों के खर्च में कमी आए और देश का पैसा देश में ही रहे।

2021 में निर्यातकों ने खर्च 80 अरब डालर

उन्होंने बताया कि वस्तु निर्यात के लिए शिपिंग के मद में वर्ष 2021 में भारतीय निर्यातकों ने 80 अरब डालर खर्च किए। वर्ष 2030 तक यह लागत सालाना 200

अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी। अगर भारत की अपनी शिपिंग लाइन विकसित होती है तो हर साल कम से कम इस लागत की 25 प्रतिशत राशि बचाई जा सकती है।

दूसरी तरफ अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एईपीसी) ने सरकार से बजट में मैनेज्ड फैब्रिक की वैल्यू चेन के लिए एक समान जीएसटी करने और ट्रिनिंग में इस्तेमाल होने वाले आइटम के आयात को शुल्क मुक्त करने की मांग की है। एईपीसी के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने बताया कि मैनेज्ड फैब्रिक की वैल्यू चेन में फाइबर, यार्न व फैब्रिक शामिल है।

इनमें फाइबर पर 18 प्रतिशत, यार्न पर 12 प्रतिशत तो फैब्रिक पर पांच प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता है। इससे उद्यमी अपना इनपुट क्रेडिट का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं जिससे मुख्य रूप से एमएसएमई यूनिट प्रभावित होती है।

गुरुवार को इस पहल की घोषणा करते हुए कहा कि इस पहल से बीमा कंपनी के नेटवर्क के बाहर चिकित्सा केंद्रों से इलाज कराना आसान हो जाएगा।

क्या है कैशलेस एवरीव्हेयर पहल ?

'कैशलेस एवरीव्हेयर' सिस्टम पॉलिसीधारकों को किसी भी अस्पताल में कैशलेस उपचार लेने की सुविधा और स्वतंत्रता देती है, भले ही उसके नेटवर्क की स्थिति कुछ भी हो।

सीधी भाषा में कहें तो इसकी मदद से



जनरल इश्योरेस काउंसिल ने पॉलिसी होल्डर्स के जीवन आसान बनाने के लिए एक नई पहल शुरू की है जिसे कैशलेस एवरीव्हेयर कहा जा रहा है। जैसा कि हम जानते हैं कि बीमा कंपनी अपने ग्राहकों को हेल्थ और जीवन के लिए कवरेज देती है। आइये विस्तार से जानते हैं कि कैसे ये कैशलेस एवरीव्हेयर आपके लिए मददगार हो सकता है।

नई दिल्ली। बीमा कंपनी के नेटवर्क से

बाहर के अस्पताल में इलाज कराने वाले पॉलिसीधारकों को बोझ को कम करने के लिए, जनरल इश्योरेस काउंसिल ने बुधवार को सभी सामान्य और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के परामर्श से 'कैशलेस एवरीव्हेयर' पहल शुरू की। जनरल इश्योरेस काउंसिल (जीआईसी) की इस पहल उद्देश्य पॉलिसीधारकों के लिए उपचार और भुगतान को अधिक सहज बनाना है। बता दें कि बजाज आलियांज जनरल इश्योरेस के एमडी और सीईओ और जनरल इश्योरेस काउंसिल के अध्यक्ष तपन सिंघल ने

पॉलिसीधारकों को बिना कोई पैसा दिए अस्पताल में भर्ती कराया जा सकता है और इलाज पूरा होने और मरीज के डिस्चार्ज होने के बाद ही बीमा कंपनी बिल का भुगतान करेगी। इससे सबसे अच्छा फायदा पॉलिसीधारकों ही होगा, क्योंकि इससे उनका वित्तीय बोझ कम हो जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य क्लेम प्रोसेसिंग को सरल बनाना, धोखाधड़ी को कम करना और लोगों के लिए इंडस्ट्री के विश्वास को मजबूत करना है।

कैशलेस सिस्टम के फायदे

बता दें कि ये सुविधा केवल उन्हीं अस्पतालों में उपलब्ध है जहां बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी है।

कैशलेस सुविधा अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा चुनने के लिए प्रोत्साहित करेगी और लोगों को थोड़ा धड़ी के मामलों से बचाएगी है, जिससे सिस्टम में विश्वास बढ़ेगा।

यह स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र में डिजिटलीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति को भी दर्शाता है।

कर्तव्य पथ पर नारी शक्ति के शौर्य का हुआ वंदन दिल्ली पुलिस के महिला दस्ते ने बनाया इतिहास



परिवहन विशेष न्यूज

महिला शक्ति का परचम इस कदर पहली बार कर्तव्य पथ पर लहरा रहा था। दिल्ली पुलिस की पहली महिला टुकड़ी ने पहली बार परेड में हिस्सा लिया। साथ ही तालियों की गड़गड़ाहट गुंजायमान थी। इसी तरह कर्तव्य पथ से दिल्ली पुलिस का गीत बजाते हुए गुजरते दिल्ली पुलिस ब्रास और पाइप बैंड में चार महिला उप-निरीक्षक और 81 महिला कॉन्स्टेबल शामिल थीं।

नई दिल्ली। नारी शक्ति के पुनर्जागरण काल में 75वां गणतंत्र दिवस समारोह महिला शौर्य, शक्ति व

साहस के साथ उनके अद्भुत संतुलन का साक्ष्य बना। बुलेट बाइक पर सांसें थाम देने वाली हैत अंग्रेज प्रस्तुति हो या परेड में सधे कदमताल के साथ रोबदार आवाज, सभी ने दर्शकों के साथ मेहमानों को गौर्वावित किया। इसमें इन बेटियों के माता-पिता व परिवार के सदस्य भी थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में बदलते भारत की यह सुनहरी और ठोस तस्वीर कुछ मिनटों में ही कर्तव्य पथ पर इस तरह से सामने आई, जो दर्शकों के दिलों पर वर्षों तक राज करने वाला है। सबकी जुबान पर था- अद्भुत, अकल्पनीय, अविस्मरणीय।

यहां काफी कुछ ऐसा ऐतिहासिक घटित हुआ, जो पहले नहीं हुआ था। महिला शक्ति का परचम इस कदर पहली बार कर्तव्य पथ पर लहरा रहा था। दिल्ली पुलिस की पहली महिला टुकड़ी ने पहली बार परेड में

हिस्सा लिया। दिल्ली पुलिस की टुकड़ी में तीन महिला उप-निरीक्षक, 44 महिला हेड-कॉन्स्टेबल और 100 महिला कॉन्स्टेबल शामिल थीं।

दस्ते का नेतृत्व वर्ष 2018 बैच की आईपीएस अधिकारी श्वेता सुगाथन ने किया। लाल साफा बांधे वदी में महिला पुलिसकर्मीयों के कदम ताल को सभी चकित होकर देख रहे थे। साथ ही तालियों की गड़गड़ाहट गुंजायमान थी।

इसी तरह कर्तव्य पथ से दिल्ली पुलिस का गीत बजाते हुए गुजरते दिल्ली पुलिस ब्रास और पाइप बैंड में चार महिला उप-निरीक्षक और 81 महिला कॉन्स्टेबल शामिल थीं। बैंड के 80 प्रतिशत प्रतिभागी पूर्वोत्तर राज्यों से थी। बाद में परेड का नेतृत्व करने वाली आईपीएस अधिकारी श्वेता सुगाथन ने कहा कि यह हम सभी के लिए रंगेरे खड़े कर देने वाला क्षण था।

जैसे ही हमारी टुकड़ी लाल किले पर पहुंची, हमारे वरिष्ठ अधिकारियों ने बड़े उत्साह के साथ हमारा स्वागत किया। उन्होंने पिछले वर्ष भी कर्तव्य पथ पर पुरुष मार्चिंग टुकड़ियों का नेतृत्व किया था। देश के गणतंत्र बनने के बाद से दिल्ली पुलिस की टुकड़ी को हर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने का अनूठा गौरव प्राप्त है।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें महिला टुकड़ियों को अपने हथियार के साथ झुमती नजर आने लगी है। दिल्ली पुलिस प्रवक्ता सुमन नलवा ने कहा कि आज इतिहास रचा गया है। जब पहली महिला टुकड़ी और दिल्ली पुलिस के बैंड ने इस गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर मार्च किया। इस क्षेत्र में भी अब बनी बनाई अवधारणा टूटी है।

75वां गणतंत्र दिवस सिपेट सीएसटीएस, अमृतसर, परिसर में गर्व और श्रद्धा के साथ मनाया गया

अमृतसर (साहिल बेरी) समारोह की शुरुआत संयुक्त निदेशक एवं प्रमुख श्री परमिंदर प्रीत सिंह द्वारा तिरंगे झंडे को फहराने से हुई। फिर मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथि, विभिन्न ग्रेड और कक्षाओं के कर्मचारी और छात्र राष्ट्रगान, जन गण मन और वंदे मातरम के गायन में एक साथ शामिल होते हैं। मुख्य अतिथि माधव विद्या निकेतन और श्री राम आश्रम स्कूल, अमृतसर के ट्रस्टी श्री संजीव खन्ना, सम्मानित अतिथि श्री समीर जैन, पंजाब प्रदेश व्यापार मंडल के महासचिव, श्री बलबीर भसीन, अध्यक्ष, इलेक्ट्रिकल ट्रेड्स एसोसिएशन, अमृतसर और संयुक्त निदेशक एवं प्रमुख आम तौर पर छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित करते हैं और उन्हें गणतंत्र दिवस का इतिहास बताते हैं, उन महापुरुषों के महत्व और बलिदान के बारे में बताते हैं जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

इस दिन से शुरू होगा दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र, आतिशी पहली बार पेश करेगी बजट



वित्त मंत्री आतिशी 16 फरवरी को दिल्ली का 2024-25 के लिए बजट पेश करेगी। आतिशी के लिए यह पहला मौका होगा जब वह दिल्ली की विधानसभा में बजट को पेश करेगी। बता दें कि पिछले साल उन्हें वित्त विभाग दिया गया था। बजट सत्र की एक फाइल मंजूरी के लिए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को भेज दी गई है।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 15 फरवरी से शुरू होगा और 20 फरवरी तक चलेगा। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी 16 फरवरी को दिल्ली के बजट को विधानसभा में पेश करेगी। शुक्रवार को इस संबंध में एक अधिकारी ने जानकारी दी है। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी 16 फरवरी को दिल्ली का 2024-25 के लिए बजट पेश करेगी। आतिशी के लिए यह पहला मौका होगा, जब वह दिल्ली की विधानसभा में बजट को पेश करेगी। बता दें कि पिछले साल उन्हें वित्त विभाग दिया गया था। बजट सत्र की एक फाइल मंजूरी के लिए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को भेज दी गई है।

'आइए सब मिलकर संविधान के रक्षा की शपथ लें...' गणतंत्र दिवस पर अरविंद केजरीवाल ने देशवासियों को दी बधाई

देश अपना 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस अवसर पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली व देश के लोगों को बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से संविधान की रक्षा करने की शपथ लेने को भी कहा। गौरतलब है कि दिल्ली में एक दिन पहले ही गणतंत्र दिवस मनाया जाता है जो छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित होता है।

नई दिल्ली। देश अपना 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस अवसर पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली व देश के लोगों को बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से संविधान की रक्षा करने की शपथ लेने को भी कहा। सीएम केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, 'सभी देशवासियों को 75वें गणतंत्र दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आइए हम सब मिलकर अपने संविधान की रक्षा की शपथ लें और अपने महान लोकतंत्र को और मजबूत बनाएं।'

राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने भाजपा कार्यालय पर किया झंडारोहण

प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना के तहत सोलर एनर्जी पैनल का भी किया उद्घाटन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर सांसद सुभाष बहेड़िया, जिला प्रमुख बरजी देवी भील, वरिष्ठ नेता रूपलाल जाट, जिला महामंत्री राजकुमार आंचलिया, भगवतीप्रसाद जोशी भी मंचसोी रहे। जिला प्रवक्ता अंकुर बोर्दिया ने

जानकारी देते हुए बताया कि समारोह को संबोधित करते हुए राजस्व राज्य मंत्री ने समस्त भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऊंचाइयों को छू रहा है। आज भारत देश का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने अपने उद्बोधन में राजस्व राज्य मंत्री के प्रथम बार भाजपा कार्यालय आगमन पर स्वागत अभिनंदन किया। सांसद सुभाष बहेड़िया ने भी विचार व्यक्त किए। प्रारंभ में भाजपा पदाधिकारियों ने मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ी साफा बांधकर स्वागत किया। समारोह का

संचालन जितेंद्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता पेंटर सूरज, उपजिला प्रमुख शंकर गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद त्रिपाठी, शंकरलाल जाट, बाबूलाल आचार्य, मंजू चेबाणी, छैलबिहारी जोशी, जिला मंत्री गोपाल तेली, सुरेंद्रसिंह मोटरास, जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल, महावीर समदानी, मनोज बुलानी, अजीत सिंह केसावत, मोर्चा जिलाध्यक्ष मंजू पालीवाल, पूरण डीडवानिया, महेंद्र मीणा, इमरान कायमखानी, राजेश सेन, मंडल अध्यक्ष घनश्याम सिंगीवाल, मनीष पालीवाल, पीयूष डाड, अनिल सिंह जादौन, पीयूष सोनी, नागेंद्र सिंह, आरती कोटाटा, भरतसिंह राठौड़,

आकाश मालावत सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सोलर एनर्जी पैनल का उद्घाटन - भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना के तहत सोलर एनर्जी पैनल का फीता काटकर राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी, सांसद सुभाष बहेड़िया, जिला प्रमुख बरजी देवी भील, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजस्व राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर जिला भाजपा संगठन द्वारा सोलर एनर्जी पैनल स्थापित करने की पहल करने पर शुभकामनाएं भी दी।



उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की मौत के दोषी को बड़ा झटका, सजा निलंबित करने से दिल्ली HC का इनकार

अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता की सजा निलंबित करने की मांग में कोई योग्यता नहीं दिखती है और अदालत इस स्तर पर सजा निलंबित करने की अनुमति देने के लिए इच्छुक नहीं है। उक्त टिप्पणी करते हुए अदालत ने जयदीप सिंह सेंगर की याचिका खारिज कर दी। जयदीप ने दोषसिद्धि के खिलाफ अपील लंबित रहने के दौरान अपनी सजा को निलंबित करने से दिल्ली हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया है। निचली अदालत ने जयदीप सिंह सेंगर को मामले में दोषी करार देकर सजा सुनाई थी। जयदीप ने दोषसिद्धि के खिलाफ अपील लंबित रहने के दौरान अपनी सजा को निलंबित



करने की मांग की थी। कोर्ट ने कही ये बात याचिका पर विचार करने के बाद न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता तीन साल की अवधि से न्यायिक हिरासत है, जोकि उसे सुनाई गई दस साल के कठोर करावास की सजा के आधे से भी काफी कम है। जयदीप सिंह सेंगर भाजपा के पूर्व नेता कुलदीप सिंह सेंगर का भाई है। कुलदीप सिंह सेंगर भी नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में उग्रकैद की सजा काट रहा है।

गैर इरादतन हत्या के हैं दोषी अदालत ने कहा कि अपीलकर्ता की सजा निलंबित करने की मांग में कोई योग्यता नहीं दिखती है और अदालत इस स्तर पर सजा निलंबित करने की अनुमति देने के लिए

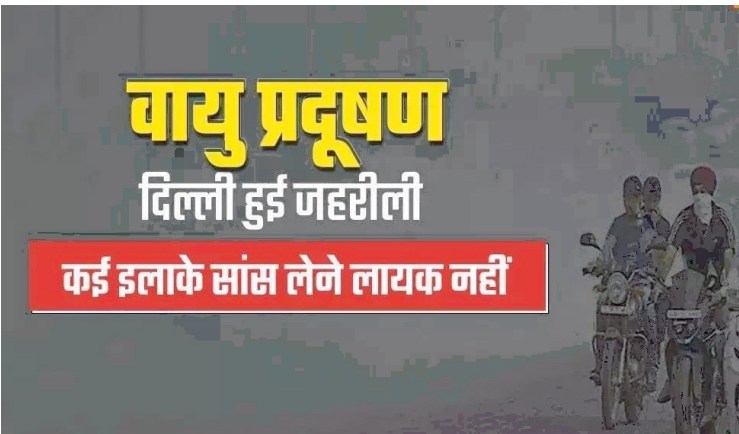
इच्छुक नहीं है। उक्त टिप्पणी करते हुए अदालत ने जयदीप सिंह सेंगर की याचिका खारिज कर दी। दुष्कर्म पीड़िता के पिता की पुलिस हिरासत में मौत के मामले में तीस हजारी अदालत ने मार्च 2020 में सेंगर बंधुओं समेत अन्य को गैर इरादतन हत्या का दोषी करार दिया था। सेंगर को है मुंह का कैसर निचली अदालत ने पाया था कि जयदीप सिंह सेंगर पीड़िता के पिता की पिटाई का आनंद ले रहा था और उसके संरक्षण में पीड़िता के पिता को पूरे गांव में घुमाया गया था। सेंगर ने अपनी जेल की सजा को निलंबित करने के लिए याचिका दायर कर तर्क दिया था कि उसे मुंह के कैसर होने का पता चला है और ऑपरेशन के बाद भी उसकी स्थिति ठीक नहीं है।

दिल्ली फिर से बनी गैस चैंबर, हवा ने गणतंत्र दिवस पर तोड़ा आठ साल का रिकॉर्ड; कई इलाकों में AQI 450 के पार

Delhi Air Pollution 2016 के बाद यह पहला गणतंत्र दिवस है जब वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी में रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शुक्रवार को राजधानी का एक्वआई 409 दर्ज किया गया। दिल्ली की हवा इस कदर जहरीली हो गई है कि आठ इलाकों का एक्वआई तो 450 से ऊपर बेहद गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया।

नई दिल्ली। महज तीन दिनों के भीतर दिल्ली की हवा फिर से जहरीली हो गई। दिल्ली का एक्वआई 400 से ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। आठ इलाकों का एक्वआई तो 450 से ऊपर बेहद गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 2016 के बाद यह पहला गणतंत्र दिवस है, जब वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी में रहा है।

शुक्रवार को AQI चार के पार केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शुक्रवार को राजधानी का एक्वआई 409 दर्ज किया गया। इस स्तर की हवा को गंभीर श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले बुधवार को यह 332 रहा था और बुधवार को 409 दर्ज हुआ था। यानी पहले चौबीस घंटों के भीतर 77



अंकों का सुधार हुआ और अगले 24 घंटों में 77 अंकों को बढ़ाते रहे हैं। शुक्रवार को नेहरू नगर की हवा सबसे खराब रही। यहां का एक्वआई 489 रहा। शाम चार बजे पीएम 10 का स्तर 334 और पीएम 2.5 का स्तर 207 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर रहा। यानी दिल्ली की हवा में प्रदूषक कणों का औसत स्तर तय मानकों से सवा तीन गुना ज्यादा रहा। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के मुताबिक अगले तीन दिनों के दौरान भी हवा

की गति आमतौर पर दस किमी प्रति घंटे से कम रहने की संभावना है। इसके चलते प्रदूषक कणों का बिखराव धीमा होगा और हवा की गुणवत्ता का स्तर बहुत खराब श्रेणी में ही बना रहेगा। सात साल बाद इतनी खराब हवा आमतौर पर गणतंत्र दिवस आते-आते प्रदूषण का स्तर सुधरने लगता है। पिछले आठ सालों में 26 जनवरी के दिन प्रदूषण के स्तर पर नजर डालें तो कुछ ऐसा ही ट्रेंड देखने को

मिलता है, लेकिन सात साल बाद इस साल 26 जनवरी के दिन प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। इससे पहले वर्ष 2016 की 26 जनवरी के दिन प्रदूषण का स्तर 417 के अंक पर यानी गंभीर श्रेणी में रहा था।

बेहद गंभीर श्रेणी में रही यहां की हवा आरके पुरम-476 2024-409 2023-298 2022-260 2021-330 2020-325 2019-233 2018-255 2017-317 2016-417

26 जनवरी के दिन प्रदूषण का स्तर 2024-409 2023-298 2022-260 2021-330 2020-325 2019-233 2018-255 2017-317 2016-417